दैनिक

लखनऊ से प्रकाशित एवं उ.प्र., बिहार ,झारखण्ड, मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली में प्रसारित

RNI-UPHIN/2014/58471

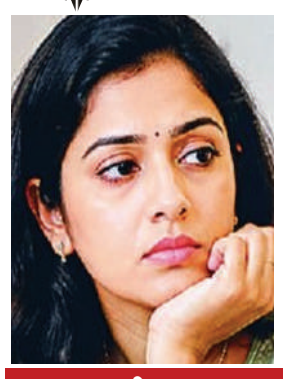

अमन लेखनी

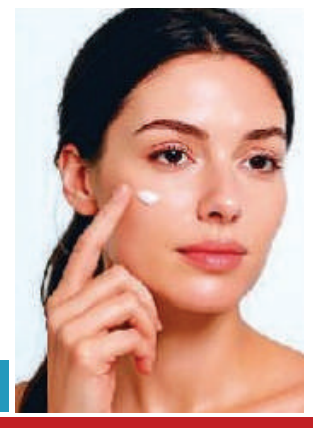

दूसरों की बातों को ना लें दिल पर...

स्किन प्रोटेक्शन के लिए घर में बनाएं सनस्क्रीन

वर्ष : 12 | अंक : 235 | लखनऊ, 19 अगस्त, बुधवार 2026 | पृष्ठ : 08 | मूल्य : 2.00 रुपए

खबर संक्षेप

राधाकृष्णन 19 -20 को उत्तराखंड जाएंगे

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन 19 और 20 अगस्त 2026 को उत्तराखंड के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। वे बुधवार को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी (आईजीएनएफए) देहरादून का दौरा करेंगे। वहां वे 2025-27 बैच के आईएफएस के परिवीक्षाधीन अधिकारियों को संबोधित करेंगे। 20 को मसूरी में आईएएस प्रोफेशनल कोर्स के द्वितीय चरण के समापन करेंगे।

फरीदकोट डीसी कार्यालय को उड़ाने की धमकी

फरीदकोट। स्थानीय मिनी सचिवालय स्थित डिप्टी कमिश्नर कार्यालय को मंगलवार दोपहर ईमेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप है। डीएसपी तरलोचन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तुरंत डिप्टी कमिश्नर कार्यालय परिसर में सर्च आपरेशन शुरू किया।खालिस्तान नेशनल आर्मी के नाम से ईमेल भेजकर बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी।

जल बोर्ड टेंडर घोटाला सत्येंद्र समेत 6 अरेस्ट

नई दिल्ली। आप नेता और दिल्ली के पूर्व जल मंत्री सत्येंद्र कुमार जैन को दिल्ली सरकार की एसीबी ने दिल्ली जल बोर्ड के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से जुड़े कथित भ्रष्टाचार और टेंडर में अनियमितताओं के मामले में गिरफ्तार किया है। आप की ओर से भी जैन की गिरफ्तारी की जानकारी दी गई है। जैन समेत कुल 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

दाभोलकर हत्याकांड में दोषी को जमानत

मुंबई। सामाजिक कार्यकर्ता और तर्कवादी डॉ. नरेंद्र दाभोलकर की हत्या के मामले में मुख्य दोषी सचिन अंदुरे को बॉम्बे हाई कोर्ट ने जमानत दे दी है। उम्रकैद की सजा पर रोक भी लगा दी गई है। दाभोलकर की अगस्त 2013 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

पेपर लीक की घटनाओं को रोकने की शीर्ष अदालत में सुनवाई

आरोपी परिवारों की संपत्ति का आकलन करें कोर्ट ने केंद्र- राज्य सरकारों से मांगा जवाब

आरोपियों की संपत्ति जब्त करने की मांग

राज कुमार सिंह चौहान ब्यूरो प्रमुख / नई दिल्ली,

प्रतियोगी परीक्षाओं और सरकारी भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। याचिका में पेपर लीक में शामिल आरोपियों और उनके परिवार के सदस्यों की चल-अचल संपत्ति की जांच कर उसे जब्त करने के निर्देश देने की मांग की गई है।

■ अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय की जनहित याचिका पर पर यह कहा

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने मंगलवार को अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की जनहित याचिका पर केंद्र और राज्यों को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 25 सितंबर की तारीख तय की है।

छात्रों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन का दावा

याचिका में कहा गया है कि पेपर लीक की घटनाओं को रोकने, उनकी जांच करने और दोषियों पर कार्रवाई करने में बार-बार नाकामी से छात्रों के मौलिक अधिकार प्रभावित हो रहे हैं। याचिकाकर्ता ने संविधान के अनुच्छेद 14, 16, 19 और 21 का हवाला दिया है। याचिका के मुताबिक, सरकारों की ओर से पेपर लीक रोकने के लिए कानून बनाए जाने के बावजूद व्यवस्था में अभी भी कई कमियां हैं। इनमें जांच और मुकदमे के लिए निश्चित समय सीमा का अभाव भी शामिल है।

दोषी पाए जाने पर मिलने वाली सजाएं लगातार चलें

याचिका में यह भी मांग की गई है कि पेपर लीक के अपराध में दोषी पाए जाने पर मिलने वाली सजाएं लगातार चलें, यानी एक के बाद एक लागू हों, न कि एक साथ। याचिकाकर्ता के मुताबिक इससे भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

कानून आयोग से अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर रिपोर्ट की मांग

याचिका में वैकल्पिक तौर पर कानून आयोग को पेपर लीक से निपटने के लिए दूसरे देशों में अपनाई जा रही व्यवस्थाओं का अध्ययन करने और तीन महीने के भीतर रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश देने की मांग की गई है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से समयबद्ध जांच और मुकदमे की मांग को फिलहाल आगे नहीं बढ़ाया गया। याचिकाकर्ता ने बताया कि सार्वजनिक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 पारित हो चुका है और इसमें पेपर लीक के खिलाफ कानून को और कड़ा किया गया है।

छात्रों पर गंभीर असर होगा

याचिका में कहा गया है कि पेपर लीक का सबसे ज्यादा नुकसान उन छात्रों को होता है, जो महीनों और वर्षों तक मेहनत करके परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। परीक्षा रद्द होने या दोबारा होने से उनकी पढ़ाई और करियर की योजना प्रभावित होती है। इसका असर छात्रों के परिवारों पर भी पड़ता है। उन्हें लंबे समय तक तैयारी, कोचिंग और परीक्षा से जुड़े खर्च उठाने पड़ते हैं। कई परिवारों पर कर्ज का बोझ बढ़ जाता है। याचिका में दावा किया गया है कि पेपर लीक से पैदा होने वाले मानसिक और शारीरिक तनाव के कारण छात्रों में गंभीर मानसिक परेशानियां भी बढ़ती हैं और कुछ मामलों में आत्महत्या की घटनाएं भी सामने आई हैं।

भीड़ को नियंत्रित करने की थी फायरिंग

हलफनामे में जानकारी दी गई है कि हाथी चौक के समीप स्थिति को नियंत्रित करने के लिए एक सहायक उप-निरीक्षक ने अपनी 9-एमएम पिस्तौल से दो बार हवाई फायरिंग की थी। इस घटनाक्रम में तीन आंदोलनकारियों को हल्की चोटें पहुंचीं। राज्य सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि इन व्यक्तियों की चोटों का गोलीबारी से कोई संबंध नहीं है, क्योंकि फेक्फायरिंग वाले स्थान पर मौजूद ही नहीं थे।

उग्र भीड़ और हिंसा के पीछे उपद्रवी

पुलिस महानिदेशक ने दिशा-निर्देश जारी किए

पुलिस विभाग ने यह स्वीकार किया कि एके -47 विशेष अभियानों के लिए इस्तेमाल होने वाला प्लाटून-स्तर का हथियार है, जिसे सामान्य कानून-व्यवस्था संभालने के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए। इस संबंध में पुलिस महानिदेशक ने दिशा-निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

शुरुआत में छात्रों का विरोध-प्रदर्शन पूरी तरह अनुशासित और शांत था। हालांकि, बाद में कुछ अराजक और उपद्रवी तत्व भीड़ में घुस आए, जिसके कारण स्थिति हिंसक हो गई और पथराव व तोड़फोड़ की घटनाएं हुईं। इस हिंसा और उपद्रव में कानून-व्यवस्था संभाल रहे करीब 157 पुलिसकर्मी और 7 अन्य शासकीय कर्मचारी चोटिल हुए।

बिहार सरकार का हलफनामा

पुलिस ने हवा में चलाई थी एके-47 से 4 चक्र गोलियां

पटना। बिहार में छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा अनुचित और अत्यधिक बल प्रयोग किए जाने के आरोपों पर राज्य सरकार ने उच्चतम न्यायालय में अपना जवाबी हलफनामा दाखिल किया है।राज्य सरकार ने पुलिस बर्बरता के दावों को खारिज करते हुए कहा है कि प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के दौरान किसी भी तरह की अत्यधिक या असंगत ताकत का इस्तेमाल नहीं किया गया।हलफनामे में सिवान की घटना का जिक्र करते हुए बिहार सरकार ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शन के दौरान भीड़ में घिरे एक पुलिस कॉन्स्टेबल ने बचाव में अपने एके -47 हथियार से हवा में 4 चक्र गोलियां चलाई थीं। सरकार ने अदालत को बताया कि गोलियों से कोई भी व्यक्ति या प्रदर्शनकारी घायल नहीं हुआ है।हालांकि, कानून-व्यवस्था जैसी स्थिति में इस प्रकार के असॉल्ट हथियार के अनधिकृत उपयोग को अनुचित आचरण मानते हुए संबंधित सिपाही को निलंबित कर दिया गया है और उसके खिलाफ विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

अवैध संपत्ति जब्त की जाए

याचिका में कहा गया है कि पेपर लीक करने वालों और इस तरह के अपराध में शामिल लोगों की पूरी संपत्ति का आकलन किया जाना चाहिए। इसमें उनके परिवार के सदस्यों की संपत्ति की भी जांच करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ता ने कहा कि यदि जांच में अवैध संपत्ति या अपराध से अर्जित धन का पता चलता है तो भ्रष्टाचार निवारण कानून, मनी लॉन्ड्रिंग कानून, बेनामी संपत्ति कानून और ब्लैक मनी कानून के तहत उचित कार्रवाई की जानी चाहिए।

रिजिजू ने दीपके पर पहले दिखाया नरम रुख, फिर सवाल भी उठाए

वह हमारा ही लड़का, बौद्ध है, आंदोलन को राजनीतिक बना दिया

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके को लेकर सवाल उठाए हैं। रिजिजू ने उनकी छात्र के रूप में पहचान पर भी सवाल किया। उन्होंने दीपके के लिए नरम रुख दिखाते हुए उन्हें अपना ही लड़का बताया। सीजेपी के बैनर तले जंतर-मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन हुआ था।

इसके चलते पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। रिजिजू ने एक इंटरव्यू में दीपके और उनके आंदोलन को लेकर सवाल उठाए। रिजिजू से जब छात्रों की शिक्षा क्षेत्र में सुधार से जुड़ी मांगों और जेन-जी आंदोलन पर सवाल पूछा गया तो उन्होंने माना कि छात्रों की चिंताएं जायज हैं। उन्होंने दावा किया कि राजनीतिक दलों ने इस आंदोलन को पूरी तरह अपने कब्जे में ले लिया है।

छात्रों की आड़ में विपक्ष रोटियां सेंक रहे...

रिजिजू ने विपक्षी दलों और खास तौर पर आम आदमी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब वे राजनीतिक दल हार जाते हैं, तो वे छात्रों की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश करते हैं। ऐसा करना लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि इतने बड़े प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाकर रखी और किसी व्यक्ति को खरोंच तक नहीं आई। विपक्ष सरकार पर छात्रों के दमन की झूठी कहानी बनाने की कोशिश कर रहा है।

आम आदमी पार्टी का कार्यकर्ता बताया

युवाओं के बीच पहचान बना चुके दीपके का नाम लेते हुए रिजिजू ने कहा कि दीपके महाराष्ट्र से बौद्ध है। इसके बाद उन्होंने दीपके के छात्र होने पर सवाल उठाते हुए कहा, लेकिन वो तो आम आदमी का कार्यकर्ता है, वो तो आप भी जानते हैं, सब जानते हैं। वो छात्र कैसे हो गया?

कलश यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

प्रयागराज। यहां मंगलवार को श्रावण के पवित्र महीने के दौरान लोग 'कलश यात्रा' में भाग लेते हुए।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद

विफल रही बात, हम नहीं देंगे मस्जिद के लिए एक इंच भूमि

अमन लेखनी समाचार/ मथुरा

श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही मस्जिद ईदगाह विवाद मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही सुलह-समझौते की कोशिशें एक बार फिर नाकाम साबित हुई हैं। मथुरा के सुलह समझौता केंद्र में मंगलवार को होने वाली दूसरी वार्ता मुस्लिम पक्ष की अनुपस्थिति के कारण विफल हो गई। मुस्लिम पक्ष के न आने पर कोर्ट ने पत्रावली पर सुनवाई स्थगित कर दी है। अब इस अहम विवाद की सुनवाई सीधे सुप्रीम कोर्ट में 21, 22 और 23 अगस्त को की जाएगी।

उपस्थित नहीं हुआ मुस्लिम पक्ष

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के अध्यक्ष और हिंदू पक्ष के अधिवक्ता महेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मंगलवार को सुलह केंद्र में दूसरी सुनवाई तय थी, लेकिन मुस्लिम पक्ष वहां उपस्थित नहीं हुआ। इससे पहले 7 अगस्त को भी दोनों पक्षों के बीच वार्ता हुई थी, जो पूरी तरह बेनतीजा रही थी।

तेजस्वी यादव पर जीतनराम मांझी का तीखा हमला

जुबान फिसलने पर तीखा तंज कसा, रात वाला उतरा नहीं था तो मुझे श्रद्धांजलि दी

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की जुबान फिसलने पर तीखा तंज कसा है। मांझी ने कहा कि नशा शराब में होता तो नाचती बोतल, तेजस्वी का रात वाला उतरा नहीं था, इसलिए उन्होंने मुझे श्रद्धांजलि दे दी। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के सुप्रीमो मांझी ने एक वीडियो भी शेयर किया है। उसमें आरजेडी के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव कथित रूप से दशरथ मांझी की जगह मांझी को श्रद्धांजलि देते हुए नजर आ रहे हैं। मांझी ने तेजस्वी यादव पर नशा करने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री ने यादव पर तंज कसते हुए यह भी कहा कि अगर हालात नहीं सुधरें तो आने वाले वक्त में ये जनाब जीते जी अपने पिता लालू यादव और मां राबड़ी देवी को भी श्रद्धांजलि दे देंगे। मांझी ने पोस्ट में कहा कि लगता है बाबू साहब का रात वाला उतरा नहीं था इसलिए मुझे श्रद्धांजलि दे रहें हैं। नशा कुछ भी करा सकता है।

दशरथ की पुण्यतिथि पर सभा में बोले थे तेजस्वी

सोमवार को पटना स्थित आरजेडी के कार्यालय में माउंटेन मैन दशरथ मांझी की 19वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को तेजस्वी ने संबोधित किया। इस दौरान उनकी जुबान फिसल गई और श्रद्धांजलि देते हुए गलती से दशरथ मांझी की जगह हम सुप्रीमो जीतनराम मांझी का नाम ले लिया। उसी दौरान बगल में मौजूद आरजेडी नेताओं ने तेजस्वी को कहा कि वह गलत नाम ले रहे हैं।

मौलाना रजवी ने मुसलमानों से की विशेष अपील

अपने अंदर सकारात्मक सोच पैदा करें

मोदी-योगी को गालियां न दें, भाजपा को हराने का ठेका केवल मुस्लिमों का नहीं

अमन लेखनी समाचार/ बरेली

आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी ने प्रेस को जारी किए गए बयान में मुसलमानों से अपील की है कि पीएम मोदी और सीएम योगी को गालियां न दें बल्कि अपने अंदर सकारात्मक सोच पैदा करें। भाजपा को हराने का ठेका सिर्फ मुसलमानों ने नहीं लिया है। रजवी ने कहा कि आज मुसलमानों की आदत बन गई है कि जहां बैठते हैं, वहां योगी और मोदी की नकारात्मक चर्चा शुरू कर देते हैं। मैं तमाम मुसलमानों से कहना चाहता हूं कि 2017 से लेकर अब तक भाजपा के विरोध की राजनीति करते रहे हैं, मगर अब सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें।

उकसाने पर मुसलमान लामबंद हो रहा

उन्होंने कहा कि इस 10 साल के लंबे अरसे में सपाऔर नाम नीहाद सैकूलर पार्टियों के कहने और उकसाने पर मुसलमान भाजपा के लिए लामबंद होता रहा है, जिसका सीधा फायदा सपा को मिलता रहा, और वही दूसरी तरफ मुसलमान हाशिए पर चला गया। सारा नुकसान मुसलमानों को उठाना पड़ रहा है। अब मुसलमानों को भी नजरिए में बदलाव लाना होगा।

सपा ने मुसलमानों को उकसाया और भड़काया

मौलाना ने कहा कि नाम निहाद सैकुलर पार्टियां और खास तौर पर सपा के नेताओं ने भोले भाले और सीधे साधे मुसलमानों को उकसाया और भड़काया। किसी मुसलमान ने बेटे- बेटी की शादी में भाजपा के मंत्री या विधायक को बुला लिया, तो सपा के लोग तूफाने बदतमीजी कर देते हैं।

वंदे मातरम विवाद पर मंत्री कुमारस्वामी का सोनिया पर हमला

घटना का भी किया जिक्र और बोले उनसे क्या उम्मीद करें?

भारतीयता पर उठाए सवाल, आज भी उनकी नसों में 'इटली का खून' बह रहा

अमन लेखनी समाचार/ नई दिल्ली,

केंद्रीय मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने 'वंदे मातरम' विवाद को लेकर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने 17 अगस्त को मीडिया से बातचीत में सोनिया की भारतीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी नसों में 'इटली का खून' बहता है। कुमारस्वामी ने कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' के पूरे संस्करण के दौरान कथित तौर पर हुए घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि सोनिया से इससे ज्यादा उम्मीद भी क्या की जा सकती है? सोनिया मूल रूप से भारत की नहीं हैं और शादी के बाद भारत आई थीं।

कार्यक्रम में क्या इशारा किया, जनता ने देखा

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कांग्रेस के स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में 'वंदे मातरम' को लेकर जो कुछ हुआ, उस पर अब अलग-अलग तरह की सफाई दी जा रही है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के दौरान किए गए इशारों को लेकर यह कहा जा रहा है कि वे सिर्फ कुर्सी लगाने के लिए किए गए थे। कुमारस्वामी ने कहा कि जनता खुद तय करेगी कि इन दावों में क्या सही है और क्या गलत?

विवाद पर बोले खरगे

बापू, नेहरू और पटेल पर केस करें, क्या नया कानून भूले

स्वतंत्रता दिवस समारोह में 'वंदे मातरम' के गायन को लेकर अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपने रुख पर कायम रहते हुए कहा कि उन्होंने राष्ट्रगीत का वही संस्करण गाया है जिसे महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और सरदार वल्लभभाई पटेल ने भी गाया था।खरगे ने विरासत का जिक्र करते हुए कहा कि उस संस्करण को गाना अपराध है तो सरकार दिवंगत नेताओं के खिलाफ भी केस करे।

हरिप्रसाद बोले

फांसी पर चढ़ा दो या जेल भेज दो, इतना ही गाऊंगा

वंदे मातरम का पूरे छंद गाए जाने को लेकर जारी सियासी हंगामे की बीच कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि मुझे फांसी पर चढ़ा दो या जेल भेज दो मैं वंदे मातरम का दो ही छंद गाऊंगा। कर्नाटक में दो ही छंद गाया जाता है। वंदे मातरम पूरा नहीं गाए जाने को लेकर भाजपा आक्रामक है और कांग्रेस को दो अलग-अलग इवेंट्स को लेकर घेर रही है।

संक्षेप

वशिष्ठ नगर में स्टार्टअप के लिए एमएसएमई को मिलेगी 50 एकड़ जमीन

लखनऊ। आगरा एक्सप्रेस-वे के पास विकसित होने वाली एलडीए की वशिष्ठ नगर आवासीय योजना को शासन ने मंजूरी दे दी है। करीब 1,035 एकड़ क्षेत्रफल में विकसित होने वाली इस योजना में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए औद्योगिक, लॉजिस्टिक और व्यावसायिक क्लस्टर विकसित किए जाएंगे। स्टार्टअप और एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के एमएसएमई विभाग को 50 एकड़ जमीन उपलब्ध कराई जाएगी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत आगरा एक्सप्रेस-वे पर 6,580 एकड़ क्षेत्रफल में वरुण विहार आवासीय योजना विकसित की जा रही है। इसी क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को गति देने के उद्देश्य से वशिष्ठ नगर योजना का प्रस्ताव तैयार किया गया था, जिसे शासन ने मंजूरी प्रदान कर दी है। वशिष्ठ नगर योजना के लिए ग्राम रेवरी, भलिया, गहलवारा, आदमपुर इन्दवारा, बहरू और जलियामऊ की भूमि चिन्हित की गई है। योजना के माध्यम से औद्योगिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के साथ आधुनिक अवसंरचना विकसित करने पर जोर दिया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार आने वाले समय में यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश स्टेट कैपिटल रीजन के विजन को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। योजना में औद्योगिक, लॉजिस्टिक और आर्थिक गतिविधियों के लिए अलग-अलग जोन विकसित किए जाएंगे। एमएसएमई विभाग को 50 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। इस भूमि पर सरदार वल्लभ भाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र योजना के अंतर्गत सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम स्थापित किए जाने प्रस्तावित हैं। इससे राजधानी क्षेत्र में स्टार्टअप और उद्यमिता को बढ़ावा मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है। वशिष्ठ नगर योजना की कनेक्टिविटी आगरा एक्सप्रेस-वे, मोहन रोड, लिंक एक्सप्रेस-वे और वरुण विहार योजना जैसे प्रमुख कॉरिडोर से होगी।

जमीन पर कब्जा करने के विवाद में मारपीट, फायरिंग, तोड़फोड़ और गुंडा टैक्स मांगने का आरोप

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। पारा थाना क्षेत्र के चुन्नू खेड़ा तिराहा के पास सदरौना स्थित फडेस एवेन्यू कॉलोनी निवासी हरेंद्र पाल सिंह ने 6 नामजद सहित 8 - 10 अज्ञात लोगों पर सरोजनीनगर में जमीन पर कब्जा करने के विवाद में मारपीट, फायरिंग, तोड़फोड़ और 20 लाख रुपये गुंडा टैक्स मांगने का आरोप लगाया है। हरेंद्र ने परेशान होकर न्यायालय में गुहार लगाई। फिलहाल न्यायालय के आदेश पर सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। हरेंद्र पाल सिंह के मुताबिक सरोजनीनगर के गहरु स्थित खसरा संख्या-600मि में उनकी जमीन है। आरोप है कि सात जनवरी 2026 को वह अपने प्लाट की साफ-सफाई करा रहे थे। इसी दौरान यहीं की सोसायटी कॉलोनी निवासी प्रशांत शर्मा, योगेश जोशी, पीजीआई के तेलीबाग स्थित वृंदावन कॉलोनी निवासी साजिद सिद्दीकी, नंद किशोर, राम किशोर, सिद्धार्थ यादव सहित आठ-दस अज्ञात लोग वहां पहुंचे और उसके व उससे लगे ममता सिंह, नीलम चौधरी और सीमा के प्लाटों में जबरन घुसकर नाप-जोख करने लगे। हरेंद्र का कहना है कि विरोध करने पर आरोपियों ने जमीन को अपना बताते हुए वहां से चले जाने को कहा और उसके बाद हरेंद्र पाल सिंह, ममता सिंह, नीलम चौधरी व सीमा के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि आरोपियों ने लाठी-डंडों से हमला किया। पीड़ित का कहना है कि प्रशांत शर्मा के हाथ में तमंचा था और उसने जान से मारने की नीयत से फायर भी किया, हालांकि गोली उन्हें नहीं लगी। आरोप है कि सिद्धार्थ यादव ने सभी पर हॉकी से हमला कर मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि योगेश जोशी ने दो दिन के भीतर जमीन छोड़ने की धमकी देने साथ 20 लाख रुपये गुंडा टैक्स नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने आरोपियों पर जमीनों पर कब्जा करने और जबरन बैनामा कराने का भी आरोप लगाया है। हरेंद्र का कहना है कि तब उसने इस मामले को लेकर सरोजनीनगर थाने में लिखित तहरीर दी, लेकिन इसके बावजूद मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। हरेंद्र का कहना है कि इसके बाद उन्होंने मुख्यमंत्री, पुलिस उप महानिदेशक गृह सचिव को रजिस्टर्ड डाक से शिकायत भेजी। लेकिन तब भी रिपोर्ट नहीं दर्ज की गई। इसके बाद परेशान होकर उसने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिवीजन दाखिल किया। फिलहाल न्यायालय के आदेश के बाद अब सरोजनीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जाँच शुरू कर दी है।

नशेड़ी युवक ने मां और बहन को डंडो से पीटा, रिपोर्ट दर्ज

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बीते रविवार को नशे के आदी युवक ने विवाद के दौरान अपनी मां और बहन की डंडे से पिटाई कर दी। जिससे दोनों चोटिल हो गई। इस मामले में बंथरा के कुरोनी स्थित गौरीशंकर खेड़ा निवासी महिला राजपती ने अपने बेटे राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजपती पत्नी राजेंद्र प्रसाद रावत के मुताबिक उनका बेटा राहुल नशे का आदी है और आए दिन परिवार के लोगों से गाली-गलौज करता है। आरोप है कि 16 अगस्त को करीब 10 बजे राहुल ने गाली-गलौज करते हुए डंडे से मां पर हमला कर दिया। सिर और शरीर में चोटें आने पर उन्होंने शोर मचाया। शोर सुनकर उनकी बेटी बीच-बचाव करने पहुंची तो आरोपी ने उसे भी डंडे से पीट दिया। आरोप है कि राहुल ने दोनों को धमकी देते हुए कहा कि घर से चले जाओ, नहीं तो जान से मार देगा। घटना में मां-बेटी को काफी चोटें आईं। फिलहाल पीड़िता की तहरीर पर बंथरा पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर किया घायल

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बिजनौर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक युवक ने दो लोगों पर चाकू से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। लहूलुहान हालत में दोनों घायलों को इलाज के लिए लोकबंधु अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आरोपी युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सरोजनीनगर के मखदूम नगर निवासी हाशिम अली के मुताबिक दो दिन पहले रविवार को वह कार से जा रहे थे। तभी शहीद पथ स्थित भूकंत विहार कॉलोनी के पास एकही बाइक से जा रहे तीन युवकों ने उन्हें ओवरटेक कर रोक लिया और गाली गलौज करते हुए चाकू दिखाकर धमकाया था। घटना के बाद हाशिम ने पुलिस को सूचना देने के साथ ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। तभी मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे हाशिम को सरोजनीनगर में शहीद पथ स्थित न्यू गुड़ौरा के पास उसमें से एक युवक दिखाई दिया। हाशिम का कहना है कि उन्होंने उसे रोककर उसे दिन हुई घटना के बारे में पूछा तो दोनों लोगों के बीच कहासुनी हो गई। आरोप है कि इस दौरान आरोपी युवक ने गुस्से में हासिम के ऊपर चाकू से हमला करने के लिए अपने पास से चाकू निकाल ली। लेकिन यह बवाल होते देख वहां मौजूद सरोजनीनगर के बेहसा गांव निवासी आशीष चौधरी और स्वेत मिश्रा ने बीच बचाव के चक्कर में आरोपी से चाकू छीनने की कोशिश की तो आरोपी ने आशीष और श्वेत के ऊपर चाकू से हमला कर दिया। आशीष के कंधे में और स्वेत मिश्रा के हाथ की उंगली में चाकू लगने से वह लहू लुहान हो गए। इस दौरान आसपास के लोगों ने आरोपी युवक को पकड़ लिया और घटना की सूचना बिजनौर पुलिस को दी। सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए लोक बंधु अस्पताल भेजा। जबकि आरोपी युवक को हिरासत में लेकर थाने चली गई। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के पास से चाकू बरामद कर ली और उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की ओर से अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटकता मिला ई रिक्शा चालक का शव

अमन लेखनी समाचार

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक ई रिक्शा चालक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बंथरा के लोनहा निवासी संजय रावत (42) अपनी मां चंद्रा देवी, पत्नी रेनू और दो बेटी भूमि (12) व प्रतिष्ठा (7) के साथ रहकर ई रिक्शा चलाता था। मंगलवार सुबह करीब 11 बजे रेनू और चन्द्रावती काम से बाहर चली गई। जबकि दोनों बेटियां घर के बाहर खेल रही थी। इसी बीच संजय ने कमरे का दरवाजा बंद कर उसके अंदर पंखे के हुक से चादर के सहारे लटक कर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद बड़ी बेटी घर के अंदर पहुंची तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। उसने कई बार आवाज दी, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। तब उसने खिड़की से झांक कर देखा तो उसके होश उड़ गए और वह चीखने चिल्लाने लगी। भूमि के शोर मचाने पर पड़ोसी दौड़कर उसके घर पहुंचे और रेनू व चंदा देवी के अलावा इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर संजय को नीचे उतारा। लेकिन तब तक संजय की मौत हो चुकी थी। बाद में पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पुलिस के मुताबिक मृतक के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। उसने यह कदम क्यों उठाया, इसका कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। वहीं गांव में चर्चा है मृतक ने दीवार में लिखा है कि पत्नी किसी दूसरे से बात करती है, इसलिए मैं सुसाइड कर रहा हूं। हालाकि बंथरा कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक ने दीवार में लिखी बात को सिर्फ अफवाह बताया। उनका कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। इसके बाद ही उसकी मौत का सही कारण पता चल सकेगा।

पहली बार निर्विरोध चुनी गई जिला लेखपाल संघ की नई कार्यकारिणी

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। जिला लेखपाल संघ, लखनऊ के द्विवार्षिक चुनाव में इस बार इतिहास रचते हुए पूरी कार्यकारिणी पहली बार निर्विरोध निर्वाचित हुई संगठन के चुनाव में जनपद की सभी पांचों तहसीलों के लेखपालों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। करीब 65 प्रतिशत मतदान सहभागिता के बीच सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन होने से संगठन में एकजुटता और आपसी सहमति का संदेश गया निर्वाचन प्रक्रिया के तहत विश्वनाथ प्रताप सिंह को अध्यक्ष,कुलदीप यादव को मंत्री,सच्चिदानंद द्विवेदी को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अविनाश चंद्र ओझा को कनिष्ठ उपाध्यक्ष, हर्षवर्धन को उपमंत्री तथा प्रीति ठाकुर को ऑडिटर पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया सभी पदों पर बिना किसी मुकाबले के निर्वाचन को लेखपाल संगठन की मजबूती और आपसी विश्वास का प्रतीक माना जा रहा चुनाव के दौरान संगठन की मजबूती, लेखपालों की सेवा संबंधी समस्याओं तथा उनके अधिकारों को लेकर भी विस्तार से चर्चा हुई विभिन्न तहसीलों से पहुंचे लेखपालों ने संगठन को और अधिक प्रभावी बनाने तथा प्रशासनिक स्तर पर लंबित समस्याओं के समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष विश्वनाथ प्रताप सिंह ने सभी लेखपालों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि निर्विरोध निर्वाचन संगठन के प्रति सदस्यों के विश्वास और एकता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि लेखपालों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों के समक्ष प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा और उनके हितों की रक्षा के लिए संगठन पूरी मजबूती के साथ कार्य करेगा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों के सहयोग से संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने का भरोसा भी दिलाया। चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद पांचों तहसीलों से आए लेखपालों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का फूल-मालाओं से स्वागत कर उन्हें बधाई दी तथा उनके सफल और जनहितकारी कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। पूरे चुनाव के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल बना रहा और निर्विरोध निर्वाचन को संगठन के लिए एक सकारात्मक एवं ऐतिहासिक उपलब्धि बताया गया।

हापा मेले में सुरक्षा के कड़े इंतजाम

अमन लेखनी समाचार

निगोहां। नाग पंचमी के दूसरे दिन लगने वाले ऐतिहासिक हापा मेले को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट हर वर्ष लगने वाले इस मेले में निगोहां समेत आसपास के गांवों और दूरदराज क्षेत्रों से हजारों श्रद्धालु व दर्शक पहुंचते संभावित भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए निगोहां थानाध्यक्ष रवींद्र कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल सुबह से ही मेला परिसर और आसपास के क्षेत्रों में तैनात रहा भीड़ नियंत्रण,यातायात संचालन और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रमुख स्थानों पर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मियों की भी तैनाती की गई मेले में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए पार्किंग व्यवस्था और आवागमन के अलग-अलग मार्ग निर्धारित किए गए पुलिस लगातार गश्त कर रही और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। निगोहां थानाध्यक्ष रवींद्र कुमार ने बताया कि हापा मेला क्षेत्र का प्रमुख पारंपरिक आयोजन श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे व्यवस्था बनाए रखें और किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या वस्तु की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि मेला सकुशल और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

बीबीडी कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज में एंटी-रैगिंग दिवस व सप्ताह का आयोजन

लखनऊ। बाबू बनारसी दास कॉलेज ऑफ डेंटल साइंसेज, बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा 12 से 18 अगस्त 2026 तक एंटी-रैगिंग दिवस एवं एंटी-रैगिंग सप्ताह का आयोजन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों एवं रचनात्मक छात्र गतिविधियों के माध्यम से किया गया।

यह आयोजन राष्ट्रीय दंत चिकित्सा आयोग एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निदेशों के अनुपालन में #YaARI एवं #C4Y की थीम के अंतर्गत आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम बीबीडीयू की चांसलर श्रीमती अलका दास गुप्ता एवं प्रो चांसलर विराज सागर दास की प्रेरणा से हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ 12 अगस्त को प्रो. (डॉ.) एस.एम.के. रिजवी, डीन, स्टूडेंट वेलफेयर, बीबीडी विश्वविद्यालय द्वारा जागरूकता एवं इंटरैक्टिव गेस्ट लेक्चर के साथ हुआ। उन्होंने रैगिंग के शारीरिक, भावनात्मक एवं सामाजिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए संस्थान की रैगिंग के प्रति शून्य-सहिष्णुता नीति को दोहराया। इस अवसर पर प्रो. (डॉ.) नीता पसरीचा, प्राचार्या, डेंटल कॉलेज द्वारा डॉ. रिजवी को प्रशस्ति स्वरूप स्मृति-चिह्न प्रदान किया गया। कार्यक्रम में UGC की एंटी-रैगिंग जागरूकता लघु फिल्मों का प्रदर्शन भी किया गया। इसके पश्चात 100 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने एंटी-रैगिंग शपथ लेकर गरिमा, पारस्परिक सम्मान एवं रैगिंग-मुक्त शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने का संकल्प लिया।

13 अगस्त को एंटी-रैगिंग जागरूकता अभियान के अंतर्गत ई-पोस्टर प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें 50 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पोस्टरों के माध्यम से रैगिंग के दुष्प्रभावों को प्रभावी ढंग से प्रदर्शित करते हुए समावेशी एवं सहयोगात्मक परिसर संस्कृति का संदेश दिया गया।

14 अगस्त को आयोजित रंगोली कला प्रतियोगिता में छात्रों ने रंगों एवं रचनात्मकता के माध्यम से रैगिंग के दुष्प्रभावों तथा एकजुटता, करुणा एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के महत्व को दर्शाया।

17 अगस्त को ई-स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें छात्रों ने Youth Against Ragging विषय पर डिजिटल स्लोगन तैयार कर रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता तथा सुरक्षित एवं सकारात्मक शिक्षण वातावरण का संदेश दिया। एंटी-रैगिंग सप्ताह के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन एंटी-रैगिंग समिति के सदस्यों एवं विभागाध्यक्षों द्वारा किया गया। सप्ताह का समापन 18 अगस्त को समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। डॉ. जीजी जॉर्ज, नोडल अधिकारी, एंटी-रैगिंग समिति ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। प्रो. (डॉ.) नीता पसरीचा, प्राचार्या एवं अध्यक्ष, एंटी-रैगिंग समिति ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया तथा छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की।

प्राचार्या ने रैगिंग-मुक्त संस्थान के प्रति कॉलेज की निरंतर प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि प्रत्येक छात्र को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सहयोगपूर्ण वातावरण में आत्मविश्वास और गरिमा के साथ शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। एंटी-रैगिंग सप्ताह का यह आयोजन रैगिंग के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने तथा छात्रों में पारस्परिक सम्मान, जिम्मेदारी, करुणा एवं नैतिक आचरण के मूल्यों को मजबूत करने की दिशा में कॉलेज की प्रतिबद्धता का प्रभावी उदाहरण रहा।

हमले के बाद पारा में नगर निगम ने 197 पशु पकड़े, पांच गिरफ्तार

नगर निगम-पुलिस टीम पर हमले के मामले में 12 नामजद समेत 24 के खिलाफ एफआईआर

अमन लेखनी समाचार

लखनऊ। पारा क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित दूध डेयरियों के खिलाफ नगर निगम ने मंगलवार को बड़े पैमाने पर अभियान चलाया। इससे पहले कार्रवाई करने पहुंची नगर निगम और पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में 12 नामजद और 12 अज्ञात समेत कुल 24 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। हमले में नगर निगम के तीन कर्मचारी अवधेश कुमार, अभिनव और फुरकान घायल हुए थे, जबकि नगर निगम के तीन सरकारी वाहनों के शीशे भी तोड़ दिए गए थे। कार्रवाई के दौरान सुरक्षा के लिए तीन थानों की पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात रही।

मंगलवार को बुद्धेश्वर, पारा, गढ़ियाना, ज्ञानेन्द्र विहार और शकुंतला मिश्र विश्वविद्यालय रोड समेत कई इलाकों में अभियान चलाया गया। नगर निगम के कैटिल कैचिंग दस्ते ने कुल 197 पशुओं को पकड़कर अलग-अलग गौशालाओं और कांजी हाउस में निरुद्ध कराया।

अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान नगर निगम और पुलिस टीम पर हुए हमले के मामले में चौकी प्रभारी और नगर निगम की ओर से पारा थाने में तहरीर दी गई थी। इंस्पेक्टर पारा सुरेश सिंह के मुताबिक अबरार, इमरान, सालून, सुबिल, सराफत, अतीक, आशिफ, वारिस, नसीम, रानू, जीशान और नाफिस समेत 12 नामजद तथा 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक हमले में बुद्धेश्वर चौकी प्रभारी विनय पटेल के साथ भी मारपीट की गई थी। उन्हें गिराने के बाद सिर पर लोहे की चेन से वार किया गया था। घटना में नगर निगम के तीन कर्मचारी भी घायल हुए। हमलावरों ने निगम के तीन सरकारी वाहनों के शीशे तोड़ दिए थे।

नगर निगम की कार्रवाई के दौरान हुए बवाल के मामले में पुलिस ने पांच वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों पर नगर निगम की सरकारी गाड़ियों में तोड़फोड़, पुलिस टीम पर हमला और सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप है। पुलिस के अनुसार 16 अगस्त को कार्रवाई के दौरान आरोपियों ने पशु जब्ती का विरोध करते हुए नगर निगम के वाहनों पर पथराव किया और पुलिसकर्मियों पर लाठी-डंडों व लोहे की जंजीर से हमला किया था।

मामले में दो महिला आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। गिरफ्तार आरोपियों में सराफत अली, रिजवान, मो. सलामुद्दीन अली, शहाबुद्दीन और मो. इस्लाम शामिल हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी अबरार और इमरान पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। दोनों की तलाश में दबिश दी जा रही है। मामले में पारा थाने में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नगर निगम कर्मचारियों पर हमला स्वीकार नहीं किया जाएगा : महापौर

महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मौके पर पहुंचकर अभियान का जायजा लिया। महापौर ने कहा कि पुलिस और नगर निगम कर्मचारियों पर हमला स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने भी अधिकारियों से अभियान की जानकारी ली और सुरक्षा व्यवस्था के बीच कार्रवाई को प्रभावी ढंग से जारी रखने के निर्देश दिए। अभियान के दौरान पशु कल्याण अधिकारी डॉ. अभिनव वर्मा, जोन-6 के जोनल अधिकारी अमरजीत यादव, प्रवर्तन टास्क फोर्स, कैटिल कैचिंग दस्ता और भारी पुलिस बल मौजूद रहा।

तीन थानों की पुलिस और पीएसी ने संभाला मोर्चा

पूर्व की घटना को देखते हुए मंगलवार को कार्रवाई के दौरान पारा, दुबग्गा और काकोरी थाने की पुलिस फोर्स के साथ पीएसी तैनात की गई। एसीपी काकोरी शकील अहमद समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौके पर मौजूद रहे। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में निगम की टीम ने विभिन्न मोहल्लों में अवैध डेयरियों के खिलाफ कार्रवाई की। डीसीपी वेस्ट कमलेश दीक्षित ने बताया कि पूर्व में नगर निगम की टीम पर हमला किया गया था। टीम का नेतृत्व कर रहे दरोगा के साथ मारपीट की गई और उन पर जानलेवा हमले का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम के अनुसार कार्रवाई में पकड़े गए पशुओं में 46 भैंसों को राधा उपवन गौशाला, 40 को ठाकुरगंज कांजी हाउस, 31 को पीजीआई कांजी हाउस, 33 को आलमबाग कांजी हाउस तथा 46 भैंस और एक बड़ी पड़िया को ऐशबाग कांजी हाउस भेजा गया।

संक्षेप

अनियंत्रित बाइक सवार विद्युत पोल से टकराए दो युवकों की मौत

हसनगंज, उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र के कनिगांव निवासी सुरेश का 25 वर्षीय पुत्र कमल गांव के ही विजय सिंह का 26 वर्षीय पुत्र अमित को लेकर मंगलवार को तीन बजे बाइक से हसनगंज कहकर निकला था हसनगंज कस्बा से साढ़े पांच बजे गांव जा रहा था।तभी लखनऊ बांगरमऊ मार्ग सेमरा गांव के पास आगे चल रहे ट्रक को ओवरटेक करते समय बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बिजली के पोल से टकरा गई। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से दोनों को सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के दौरान युवक हेलमेट नहीं लगाए थे,मृतक अमित दो भाइयों में बड़ा था छोटा भाई आकाश, मा नेहा सिंह , व मृतक कमल दो बहनों में अकेला था बड़ी बहन संध्या, शालनी सहित मां राज देवी सिंह रो रो कर बेहाल हो गई ,गांव से दो युवकों की मौतों से सन्नाटा पसर गया,कोतवाल शरद कुमार ने बताया कि पोल से बाइक टकराने से दोनों युवकों की मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

महिला ने गाली गलौज का किया विरोध दबंगो ने लाठी डंडों से पीटा

उन्नाव। माखी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात गाली-गलौज का विरोध करने पर महिला पर तीन लोगों ने लाठी डंडे से हमला कर दिया जिससे वह गभीर रूप से घायल हो गयी जिसे इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने उसकी हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव परेंदा गांव निवासी रमेश की 45 वर्षीय पत्नी अर्चना ने पुलिस को सूचना देकर बताया कि सोमवार की रात वह अपने घर के बाहर बैठी थी तभी गांव निवासी तीन लोग नशे में धुत्त होकर उधर से निकले और गाली-गलौज करने लगे जब इसका बिरोध किया तो लाठी डंडे से हमला कर दिया जिससे वह गभीर रूप से घायल हो गयी इस सम्बंध में थाना प्रभारी योगेश कुमार सिंह ने बताया कि मौखिक सूचना मिली थी जिसके आधार पर महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया तहरीर के आधार पर आगे की बिधिक कारवाई की जायेगी।

नव नियुक्त आदेश आंगनवाड़ी सहायिकाओं का कार्यक्रम आयोजित

पुरवा, उन्नाव। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित नवनियुक्त आंगनवाड़ी सहायिकाओं के नियुक्त आदेश वितरण के कार्यक्रम में नियुक्ति पत्र व अन्य संवाद हेतु क्षेत्रीय भाजपा विधायक अनिल सिंह ने तहसील सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि भाजपा सरकार की नियुक्ति निष्पक्ष एवं पारदर्शी होती है। मंगलवार को तहसील सभागार में बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में नवनियुक्त आंगनवाड़ी सहायिकाओं के नियुक्ति आदेश वितरण कार्यक्रम में क्षेत्रीय भाजपा विधायक अनिल सिंह ने प्रदेश सरकार की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में सरकार लगातार बेहतरीन व निष्पक्ष कार्य कर रही है। उन्होंने सरकार द्वारा जनहित में किए जा रहे कार्यों का वर्णन किया। इस मौके पर ब्लाक प्रमुख सतीश चौधरी, भाजपा जिला महामंत्री डॉ० रजनीश वर्मा, एसडीएम दिग्विजय सिंह, मौरावां चेयरमैन कुंवर विवेक नारायण सेठ व अन्य अधिकारीगण शामिल रहे। इसके बाद क्षेत्रीय विधायक ने एसडीएम व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की जिसमें जनता की शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निराकरण के लिए निर्देश दिए। सूत्रों से ज्ञात हुआ कि नगर पंचायत पुरवा की कार्यशैली से नाराजगी जताते हुए ईओ समेत कई कर्मचारियों को फटकार लगाई।

बीएसए ने किया औचक निरीक्षण चार कर्मचारी नदारद, जर्जर कमरा किया सील

अमन लेखनी समाचार

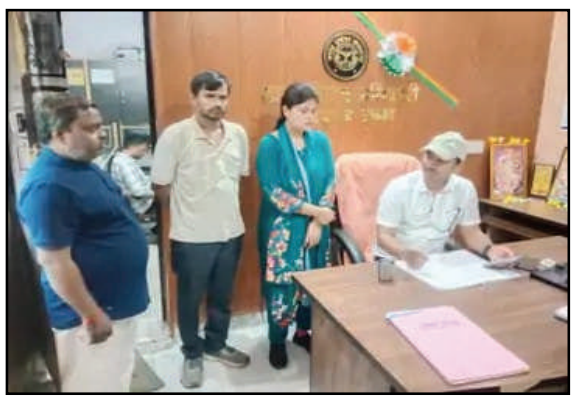

उन्नाव। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी शैलेश कुमार पाण्डेय ने मंगलवार को नवाबगंज क्षेत्र के बीईओ कार्यालय और कई परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिलने पर उन्होंने संबंधितों को कड़ी हिदायत दी।बीएसए ने सबसे पहले खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय नवाबगंज पहुंचकर उपस्थिति रजिस्टर चेक किया। यहां 4 कर्मचारी ड्यूटी पर नहीं मिले। बीएसए ने सभी अनुपस्थित कर्मियों से स्पष्टीकरण तलब करने और जवाब संतोषजनक न होने पर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने कंपोजिट विद्यालय परसनदन का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने कक्षाओं, शौचालय, पेयजल और मध्याह्न भोजन की व्यवस्था देखी। मीनू के अनुसार बन रहा भोजन गुणवत्तापूर्ण मिला। साथ ही परिसर में जलभराव, सीलन और साफ-सफाई को लेकर प्रधानाध्यापक को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उच्च प्राथमिक विद्यालय अजगैन प्रथम में निरीक्षण के दौरान एक कमरा अत्यंत जर्जर अवस्था में मिला। छात्र-छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर बीएसए ने स्वयं उस कमरे पर पेंट से 'निष्प्रयोज्य' लिखवाया और विद्यालय प्रशासन को जर्जर भवनों को लेकर विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए।

वहीं प्राथमिक विद्यालय आमरेथा में परिसर में घास उगी पाई गई। इस पर बीएसए ने प्रधान शिक्षक को तत्काल साफ-सफाई कराकर विद्यालय को स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ स्वस्थ वातावरण देना भी जरूरी है।

बीएसए शैलेश कुमार पाण्डेय ने बताया कि जिले में शैक्षिक गुणवत्ता और प्रशासनिक अनुशासन सुधारने के लिए लगातार औचक निरीक्षण किए जा रहे हैं। उन्होंने जनपद के सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में 25-25 विद्यालयों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि निरीक्षण में शिक्षकों की उपस्थिति, साफ-सफाई, एमडीएम, भवन की स्थिति और छात्र हित से जुड़ी व्यवस्थाओं की गहन जांच की जाएगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

नाला सफाई न होने से दो हजार बीघा फसल जलमग्न, किसानों ने जेसीबी से सफाई की उठाई मांग

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। क्षेत्र के कई गांवों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से करीब 2000 बीघा कृषि भूमि जलमग्न होने का मामला सामने आया है। पानी की निकासी न होने से किसानों की धान की फसलें बर्बाद होने की कगार पर हैं। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी सफीपुर को शिकायती पत्र देकर नाले की जेसीबी मशीन से तत्काल सफाई और खुदाई कराए जाने की मांग की है।

तहसील क्षेत्र ग्राम बृजपालपुर गांव निवासी किसानों में शिवलखन सिंह, रमेश यादव ,जगतपाल,राजेश यादव ,शिवराज सहित आधा सैकड़ा किसानों ने उपजिलाधिकारी फाल्गुनी सिंह को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि बृजपालपुर,मवई भान,मवई लाल और भैंसहरा आदि गांवों की करीब 2000 बीघा कृषि भूमि बारिश के पानी से जलमग्न है। ग्रामीणों का कहना है कि इन गांवों के बीच से होकर गुजरने वाला जल निकासी नाला भैंसहरा, निहालपुर और देवगांव होते हुए आगे जाता है, लेकिन नाले की समुचित सफाई और खुदाई नहीं होने के कारण पानी की निकासी बाधित है।किसानों का आरोप है कि नाले की सफाई महज मुख्य मार्ग से लगभग 200 मीटर तक ही कराई जाती है, जबकि पूरे नाले की सफाई आवश्यक है। नाला जगह-जगह सिल्ट, मिट्टी और अवरोध से पट गया है। इसके अलावा गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण के लिए मिट्टी उठाए जाने के बाद बनाए गए रास्ते में डाली गई मिट्टी के कारण भी पानी का बहाव रुक गया है, जिससे खेतों में जलभराव की स्थिति और गंभीर हो गई है।

किसानों का कहना है कि लगातार पानी भरा रहने से उनकी फसलें खराब हो रही हैं और खेती ही उनके जीवन-यापन का प्रमुख साधन है। यदि समय रहते पानी की निकासी नहीं कराई गई तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

किसानों ने एसडीएम से मांग की है कि जेसीबी मशीन लगाकर पूरे नाले की गहराई से खुदाई और सफाई कराई जाए तथा पानी की निकासी का स्थायी प्रबंध किया जाए, ताकि जलभराव से किसानों की फसलों को बचाया जा सके।इस संबंध में उपजिलाधिकारी फाल्गुनी सिंह ने बताया कि किसानों की समस्या का जल्द ही निराकरण कराया जाएगा।

पल्स पोलियो दवाई का डिब्बा पानी में दिखा तैरता

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। कोल्ड चेन डिब्बे में रखी पल्स पोलियो की दवाई का डिब्बा बारिश के बहते पानी मे तैरते हुए फोटो शोसल मीडिया पर वायरल होते ही विभागीय कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। वैकशीन डिलीवरी कर्मचारी द्वारा पल्स पोलियो दवाई रखा कोल्ड चेन का डिब्बा मंगलवार सुबह गंदा नाला घूरखेत मोड़ पर रख दिया गया। उसके बाद वह डिब्बा रखकर वापस चला गया। जबकि पल्स पोलियो रखी कोल्ड चेन डिब्बा को हैंडओवर करते समय आशाबहू की मौजूदगी होनी चाहिए। लेकिन बिना आशा बहू के पहुँचे ही कर्मचारी द्वारा डिब्बा रख दिया गया। जिसका फोटो शोसल मीडिया पर प्रसारित हुई प्रसारित फोटो में कोल्ड चेन का डिब्बा बहते पानी मे तैरता हुआ नजर आ रहा है। हालांकि वायरल फोटो की पुष्टि हिंदुस्तान अखबार नही करता है। सीएचसी प्रभारी डॉ नरेंद्र कुमार ने बताया कि मामले जानकारी कर जांच करवाता हूँ।

नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने बीईओ से की शिष्टाचार भेंट

अमन लेखनी समाचार

पुरवा, उन्नाव। उत्तर प्रदेशीय जूनियर हाई स्कूल (पूर्व माध्यमिक) शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई पुरवा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने मंगलवार को खण्ड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार से शिष्टाचार एवं आत्मीय भेंट की। बीईओ ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी। जिला महामंत्री राम जन्म सिंह व ब्लाक अध्यक्ष वरुण सिंह के नेतृत्व में नई कार्यकारिणी ने संगठन की गरिमा, शिक्षक हितों, आपसी समन्वय एवं सकारात्मक कार्य संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए बीईओ से प्रतिबद्धता व्यक्त की। अध्यक्ष वरुण सिंह ने कहा कि संगठन एवं विभाग के मध्य बेहतर संवाद, पारस्परिक सहयोग एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के माध्यम से शिक्षकों की समस्याओं के समाधान तथा विद्यालयों में शैक्षिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास किए जाएंगे।भेंट के दौरान जनपदीय कार्यकारिणी से संयुक्त मंत्री प्रदीप कुमार, लेखाकार योगेश कुमार तथा ब्लॉक इकाई से संरक्षक मोतीलाल, महामंत्री रमेश कुमार, कोषाध्यक्ष आलोक चौरसिया, उपाध्यक्ष अमित कुमार अवस्थी, राकेश कुमार मिश्रा, सुनील कुमार तथा माहेश्वरी वर्मा, संयुक्त मंत्री किशन लाल, विनोद कुमार, राजेश कुमार तथा रेखा, लेखाकार राजकुमार, आय व्यय निरीक्षक मोहित कुमार सहित नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के समस्त पदाधिकारी एवं शिक्षक साथी उपस्थित रहे। बीईओ सुरेश कुमार ने बधाई देते हुए कहा कि शासन के निदेर्शानुसार हम सभी मिलकर बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कार्य करेंगे।

पानी बढ़ने से वैकल्पिक मार्ग से निकलना हुआ मुश्किल

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। क्षेत्र के प्रमुख सड़क मार्ग काली मिट्टी शिवराज रोड पर दबौली हिंदूपुर के आगे सरैया घाट पुल के निकट पिछले साल हुए कटान पर कोई मरम्मत का काम नहीं हो पाया जिससे आवागमन रुक गया था। क्षेत्रीय लोगों की माँग और काफी प्रयास के बाद वैकल्पिक मार्ग बनाकर पैदल तथा दो पहिया और चार पहिया वाहनों का आवागमन शुरू कराया गया था। लेकिन इस वर्ष जैसे ही बरसात शुरू हुई सरैया घाट पुल के पास दीवार खड़ी कर आवागमन रोक दिया गया था जिससे वाहनों का आना जाना बंद हो गया था। इधर हुई बरसात और गंगा में पानी बढ़ जाने से कटान भी बढ़ने लगा। वैकल्पिक मार्ग पर भी बरसात का पानी आ जाने से पैदल चलना भी कठिन हो गया है। पानी से होकर निकलना जोखिम भरा होता जा रहा है। सावन के महीने में शिवराज पुर स्थित प्रसिद्ध खेरेश्वर महादेव मंदिर क्षेत्र के लोग नहीं पहुंच पा रहे हैं। पानी जब वैकल्पिक मार्ग तक पहुंच गया है तो आस पास के गांव के लोगों की समस्याएं भी बढ़ती जा रही हैं।

उजड़ा आशियाना मदद को चेयर मैन प्रतिनिधि के बढ़े हाथ, एक लाख की दी सहायता

अमन लेखनी समाचार

सफीपुर, उन्नाव। आदर्श नगर पंचायत सफीपुर के मोहल्ला शेखजादगान (मंगल बाजार) निवासी अशोक लोधी पुत्र मोहनलाल का मकान सोमवार को एडीएम की निगरानी में जेसीबी से ध्वस्त करा दिया गया। आशियाना उजड़ने के बाद परिवार के सिर से छत छिन गई और अचानक आई इस विपदा से पूरा परिवार गहरे सदमे में डूब गया।

ऐसे कठिन समय में परिवार की पीड़ा को देखते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सौरभ बाजपेई उर्फ ह्यराजा बेटाह्न ने मानवीय संवेदना का परिचय देते हुए निजी कोष से एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। उन्होंने परिवार से कहा कि इस धनराशि का उपयोग मकान के पुनर्निर्माण में किया जाए, ताकि उजड़े आशियाने को फिर से बसाने की शुरूआत हो सके।

आर्थिक मदद मिलने के बाद मायूस परिवार के चेहरों पर उम्मीद की किरण दिखाई दी। अशोक लोधी और उनके परिजन सौरभ बाजपेई का आभार जताते हुए भावुक हो उठे। इस दौरान परिजनों की आंखों से छलके आंसुओं ने उनकी पीड़ा और राहत, दोनों को बयां कर दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने भी संकट की घड़ी में परिवार का साथ देने की इस पहल की सराहना की।

कान्हा गौशाला का एसडीएम ने किया निरीक्षण

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। एसडीएम शालिनी तोमर ने नगर पंचायत न्योतनी कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया। जिसमें शासन द्वारा गौशाला में सीसीटीवी लगाने के निर्देश थे लेकिन मौके पर नहीं लगे पाए गए हैं। एक गोवंश मरणासन्न अवस्था में था अन्य जानवर बहुत ही दुर्बल थे। गंदगी का अंबार था। जिसके कारण दुर्गंध आ रही थी। गौशाला से संबंधित दस्तावेज देखने पर सभी अपूर्ण मिले हैं। एसडीएम शालिनी तोमर ने बताया कि कान्हा गौशाला का औचक निरीक्षण किया गया था। जिसमें बहुत सी कमियां मिली है जिसकी निरीक्षण रिपोर्ट तैयार कर जिले पर भेजी जा रही है।

विद्युत करंट की चपेट से किशोरी की मौत

अमन लेखनी समाचार

हसनगंज, उन्नाव। क्षेत्र के नवीनगर गांव में एक किशोरी सुबह घर में साफ-सफाई करते समय इलेक्ट्रॉनिक पंखा की चपेट में आ गई परिजन मोहान हसनगंज निजी अस्पतालों में समुचित इलाज की व्यवस्था न होने से इलाज के लिए लखनऊ लेकर जा रहे थे लेकिन रास्ते में किशोरी ने दम तोड़ा दिया हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के नवीनगर गांव के नीरज शर्मा की पुत्री कामिनी 16वर्ष घर पर सुबह झाड़ू पोंछा कर रही थी तभी इलेक्ट्रॉनिक पंखा को दूसरे स्थान पर रखने लगी तो करंट लगने से बहुत तेज चिल्लाने लगी तो परिजनों ने छुड़ाया व इलाज के लिए निजी अस्पताल मोहान ले गये वहां पर इलाज करने से डाक्टर ने हाथ कड़े कर दिए तो परिजन हसनगंज में एक निजी नर्सिंग होम ले गये लेकिन इलाज से परिजन संतुष्ट नहीं हुए तो लखनऊ लेकर जा रहे तभी रास्ते में कामिनी ने दम तोड दिया परिजनों में कोहराम मच गया कामिनी का एक भाई आदर्श है मां साधना पिता खेती बाड़ी करते हैं कामिनी हाईस्कूल की छात्रा थी।

दो सभासदों ने एसडीएम को पत्र सौंप कर प्रस्तावित बैठक को निरस्त किए जाने की उठाई मांग

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। नगर पालिका परिषद की बहुप्रतीक्षित वार्षिक बजट बोर्ड बैठक को लेकर दो महिला सभासदों ने बैठक की सूचना महज एक दिन पहले दिए जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। वार्ड नंबर तीन की सभासद शिव देवी अर्कवंशी और वार्ड नंबर पांच की सभासद गीता रानी अर्कवशी ने एसडीएम बृजमोहन शुक्ला और अधिशासी अधिकारी गुंजन गुप्ता को पत्र सौंपकर प्रस्तावित बैठक को निरस्त कर नियमानुसार पर्याप्त समय दिए जाने की मांग की है।

सभासदों का कहना है कि नगर पालिका अधिनियम की धारा 48 के तहत सामान्य बोर्ड बैठक की सूचना सभासदों को कम से कम तीन दिन पूर्व दी जानी चाहिए। वहीं, वार्षिक बजट जैसे महत्वपूर्ण विषय पर होने वाली बैठक के लिए कम से कम सात दिन पूर्व सूचना दिया जाना आवश्यक है। इसके बावजूद बैठक की जानकारी केवल एक दिन पहले दी गई, जो नियमविरुद्ध है। सभासदों ने कहा कि एक दिन के अल्प समय में वे अपने-अपने वार्डों का निरीक्षण कर स्थानीय समस्याओं और विकास कार्यों की स्थिति का आकलन नहीं कर सकतीं। ऐसे में बजट पर सार्थक चर्चा और आवश्यक प्रस्ताव रखना भी संभव नहीं होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इतनी कम अवधि में विधायक और सांसद जैसे पदेन सदस्यों की बैठक में सहभागिता भी संभव नहीं हो सकेगी। दोनों सभासदों ने मांग की है कि प्रस्तावित बैठक निरस्त कर कम से कम एक सप्ताह का समय दिया जाए, ताकि सभी सदस्य पूरी तैयारी के साथ बजट बैठक में भाग ले सकें।

ऑटो रिक्शा में बैठकर जा रहे युवक को बाइक सवार ने मारी टक्कर, मौत

अमन लेखनी समाचार

उन्नाव। आसीवन थाना क्षेत्र में मंगलवार चकलवंशी संडीला मार्ग पर अनियंत्रित बाइक चालक ने आटो रिक्शा में बैठ कर जा रहे युवक को टक्कर मार दी जिससे वह नीचे गिर कर गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए मियागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया घटना की सूचना पर रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया दुर्घटना में बाइक दोनों युवक भी घायल हो गए जिन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया दुर्घटना के बाद आटो चालक मौके से भाग निकला जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। औरास थाना क्षेत्र के रायपुर राई गांव निवासी शिव प्रसाद पुत्र जानकी 42 मंगलवार को किसी काम से उन्नाव जाने के लिए आटो रिक्शा पर बैठ कर जा रहा था इसी बीच अजमत नगर गांव के पास आसीवन थाना क्षेत्र खरगौरा गांव निवासी सचिन पुत्र बुधई साथी विनीत पुत्र अबंर सामने से आ रहे थे और आटो रिक्शा में आगे बैठे शिव प्रसाद के पैर में टक्कर मार दी जिससे वह नीचे गिर कर गया इसी दौरान बाइक भी पलट गयी शिव प्रसाद को मियागंज अस्पताल ले जाया गया जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया जबकि बाइक सवार मौके से निकल गए दुर्घटना के बाद आटो चालक गाड़ी सहित मौके से भाग निकला मृतक खेती किसानी करता था उसके तीन बेटों में अनुज, शिवा अजय एक बेटी खुशबू है पत्नी शिव रानी पति की मौत से आहत है इस सम्बंध में थाना प्रभारी प्रदीप सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की बिधिक कारवाई की जायेगी शव पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है और आटो चालक की तलाश की जा रही है।

जानवर बांधने को लेकर हुआ विवाद घर में घुसकर परिवार पर किया कुल्हाड़ी व लाठी-डंडों से हमला

अमन लेखनी समाचार

बीघापुर, उन्नाव। थाना बारासगवर क्षेत्र के ग्राम चोरघटिया (मजरा दूलीखेड़ा) में जानवर बांधने की मामूली सी बात को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। देखते ही देखते दबंगों ने लाठी-डंडे और धारदार हथियारों से एक ही परिवार के लोगों पर हमला कर दिया। इस मारपीट में पीड़ित, उसकी पत्नी और भाभी को गंभीर चोटें आई हैं। सिर में चोट लगने से दो महिलाएं मौके पर ही बेहोश हो गईं।गांव के ही कमल किशोर, बच्चा बाबू उर्फ सन्दीप, रज्जन लाल और आशीष जानवर बांधने की बात को लेकर उनकी बेटियों रोशनी, शालिनी, रागिनी और मोहनी को भद्दी-भद्दी गालियां दे रहे थे। जब सन्तोष कुमार ने इस बात का विरोध किया और गालियां देने से मना किया, तो आरोपी उग्र हो गए। आरोप है कि चारों नामजद लोग लाठी-डंडे और धारदार हथियार लेकर सन्तोष कुमार के दरवाजे पर चढ़ आए और उन्हें जमीन पर गिराकर बुरी तरह पीटने लगे।

बचाने आईं महिलाओं पर भी बोला हमला

सन्तोष कुमार की चीख-पुकार सुनकर उनकी पत्नी रेखा और भाभी संगीता देवी (पत्नी गोबिन्द) उन्हें बचाने दौड़ीं। दबंगों ने उन पर भी रहम नहीं खाया और धारदार हथियारों व लाठियों से हमला कर दिया। हमले में तीनों लोगों को गंभीर चोटें आईं, जबकि गंभीर रूप से घायल रेखा और संगीता देवी मौके पर ही बेहोश होकर गिर पड़ीं।

दहशत का माहौलः चीख-पुकार सुनकर मौके पर आसपास के ग्रामीणों की भारी भीड़ इकट्ठा हो गई। लोगों को जुटता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से भाग निकले। तहरीर के आधार पर पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल प्रारंभ कर दिया।

अलग-अलग सड़क हादसों में तीन युवक गंभीर रूप से घायल

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत नाजुक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया। नगर के मोहल्ला दरगाह शरीफ निवासी रियाज पुत्र आजाद बाइक से किसी काम से जा रहे थे। नगर के हरदोई-उन्नाव मार्ग पर पुरानी पानी टंकी के निकट उनकी बाइक सामने से आ रही ग्राम नसीरपुर भिक्खन निवासी ज्ञानू पुत्र जागेश्वर की बाइक से टकरा गई। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर घायलों को सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को हायर सेंटर रेफर कर दिया। दूसरा हादसा आगरा एक्सप्रेस वे पर किलोमीटर संख्या 251 के निकट हुआ। कन्नौज जनपद के छिबरामऊ थाना क्षेत्र के ग्राम माडलपुर निवासी पियूष पुत्र संजीव कुमार अपने भाई के साथ बाइक से लखनऊ से तालग्राम लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और पलट गई। दुर्घटना में पियूष और उनका भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची यूपीडा रेस्क्यू टीम ने दोनों घायलों को यहाँ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। यहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया।

सम्पादकीय

युवाओं की उम्मीदों को लगेंगे पंख

देश की युवा आबादी को विकास की सबसे बड़ी ताकत मानते हुए प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में युवाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण ऐलान किए गए। एक साल में एक करोड़ युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रशिक्षण देने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले विद्यार्थियों के लिए मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की व्यवस्था शुरू करने की घोषणा ऐसे समय में हुई है, जब रोजगार, कौशल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा युवाओं की सबसे बड़ी जरूरतों में शामिल हैं। इन घोषणाओं में संभावना बहुत बड़ी है, लेकिन इनकी सफलता का पैमाना घोषणाओं की संख्या नहीं, बल्कि जमीन पर मिलने वाला अवसर होगा। एआई दुनिया की अर्थव्यवस्था और रोजगार के स्वरूप को तेजी से बदल रहा है। आने वाले समय में पारंपरिक नौकरियों के साथ नए तरह के रोजगार और उद्यम के अवसर पैदा होंगे। ऐसे में एक करोड़ युवाओं को एआई कौशल से जोड़ने का लक्ष्य भारत को भविष्य की तकनीकी अर्थव्यवस्था में मजबूत स्थिति दिला सकता है। लेकिन प्रशिक्षण केवल प्रमाणपत्र बांटने तक सीमित नहीं होना चाहिए। युवाओं को वास्तविक परियोजनाओं, उद्योग की जरूरतों और रोजगार के अवसरों से जोड़ना होगा। प्रशिक्षण के बाद यदि युवा नौकरी या अपना उद्यम शुरू करने में सक्षम होते हैं, तभी इस पहल का वास्तविक प्रभाव दिखाई देगा। मुफ्त ऑनलाइन कोचिंग की घोषणा भी सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी आज कई परिवारों के लिए बड़ा आर्थिक बोझ बन चुकी है। ऑनलाइन मुफ्त कोचिंग व्यवस्था गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री और विशेषज्ञ मार्गदर्शन को छोटे शहरों, कस्बों और गांवों तक पहुंचा सकती है। हालांकि इसके लिए डिजिटल सुविधाओं की उपलब्धता, अच्छे शिक्षकों की गुणवत्ता और नियमित मार्गदर्शन सुनिश्चित करना जरूरी होगा। युवाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल परीक्षा पास करना नहीं, बल्कि बदलती अर्थव्यवस्था के अनुरूप खुद को तैयार करना है। इसलिए शिक्षा व्यवस्था को डिग्री केंद्रित होने के बजाय कौशल केंद्रित बनाना होगा। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में युवा केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण भागीदार हैं। प्रधानमंत्री ने कार्य संस्कृति और सोच बदलने की बात कही है। इसका अर्थ युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार भी होना चाहिए। यदि देश को अगले कुछ दशकों में दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होना है तो युवाओं को रोजगार खोजने वालों से आगे बढ़ाकर रोजगार पैदा करने वालों में बदलना होगा। इसके लिए स्टार्टअप, छोटे उद्योग, नवाचार और स्वरोजगार के लिए आसान वित्त और बाजार उपलब्ध कराना होगा। बड़े सपने तभी पूरे होते हैं जब उन्हें मजबूत तैयारी और निरंतर मेहनत का आधार मिलता है। युवाओं के लिए घोषित योजनाएं भारत की भविष्य की क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकती हैं। जरूरत इस बात की है कि इनका क्रियान्वयन पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और परिणाम आधारित हो। भारत की युवा शक्ति के पास ऊर्जा भी है और प्रतिभा भी। उसे सही दिशा, सही कौशल और समान अवसर मिल जाएं तो विकसित भारत का सपना महज संकल्प नहीं रहेगा। सचमुच, युवाओं की उम्मीदों को लगेंगे पंख, और इन्हीं पंखों से भारत 2047 की नई ऊंचाइयों तक उड़ान भर सकेगा।

विशेष

सुनील मिनोचा

बंटवारे का असहनीय दर्द

1947 का विभाजन केवल देश की सीमाओं का बंटवारा नहीं था, यह लाखों परिवारों के घर, जमीन, कारोबार और रिश्तों के उजड़ने की त्रासदी भी थी। पाकिस्तान से भारत आए पंजाबी शरणार्थी अपने साथ दर्दनाक यादें और संघर्ष की कहानियां लेकर आए। किसी ने उपजाऊ जमीन छोड़ी, किसी ने कारोबार और संपत्ति, तो किसी ने अपने प्रियजनों को हमेशा के लिए खो दिया। यमुनानगर और आसपास बसे अनेक परिवारों ने शून्य से अपना जीवन दोबारा शुरू किया और मेहनत के बल पर नई पहचान बनाई। उनकी आंखों में आज भी उस दौर की पीड़ा ताजा है। विभाजन की ये व्यक्तिगत गाथाएं इतिहास के उन पन्नों को सामने लाती हैं, जिन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए याद रखना जरूरी है।

पाकिस्तान से यहां बसे शरणार्थी, खासकर पंजाबी लोग, बंटवारे के दर्द को आज तक नहीं भूले हैं। जब कोई नाना-नानी, दादा-दादी अपनी भावी पीढ़ी को उनके साथ हुई लूटमार, जुल्म-शोषण की दास्तान सुनाते, तो उनकी आंखों में आंसू आ जाते। किसी ने अपना कोई सगा खो दिया था। कोई जान बचाने की खातिर धर्म परिवर्तन कर लिया या शादी कर ली। बातचीत करने पर किसी व्यक्ति को वहां के पंजाब की अपनी उपजाऊ जमीनों पर गर्व था तो कोई अपने पशुधन की गिनती बताता है। किसी को अपनी साइकिल रह जाने, तो किसी को अपना अच्छी नस्ल का घोड़ा खोने का भी दुख था।किसी को अपनी खूब चलती ड्राई-फ्रूट की दुकान, कोई आटा-चक्की, कोई माल से भरी दुकानों, किसी को अनाज मंडी में आढ़त की दुकान, तो कोई रूई की बड़ी फैक्टरी और माल से भरे गोदाम खोने का दुख था। ऐसी बातें सुनने को मिलीं।अधिकांश लोग प्रेमपूर्वक संयुक्त परिवार में रहना पसंद करते थे। इकट्ठा ही व्यापार करते थे। बुजुर्गों के नाम पर अपनी फर्म खोलते थे। यहां काफी देर बाद यदि किसी को कृषि योग्य जमीनें सरकार से मिलीं तो अक्सर बुजुर्ग कहते थे- ₹वहां जमीनें यदि एक रुपये वाली थीं तो यहां उन्हें चवन्नी वाली से गुजारा करना पड़ रहा है। फिर भी उन्होंने अपनी मेहनत से उन्हें हरा-भरा कर दिया।उस समय कई लोग वापस जाने की आस से बॉर्डर के शहरों में बस गए। कई लोग करनाल के पास जीटी रोड पर बसे। तब हरियाणा-पंजाब भी संयुक्त पंजाब ही होता था। पाकिस्तान में कई लोग मुसलमान पड़ोसियों के सहारे अपना घर देखभाल के लिए छोड़कर आए। कईयों को रास्ते में मारकर सोना-चांदी लूट लिया गया। कई बहू-बेटियों की अस्मत लूटी गई। कई स्थानों पर रेलगाड़ियां रोककर लाचार सवारियों का, मुख्यतः मुसलमानों द्वारा, कत्लेआम किया गया। कई जगह लोगों को लाशों के ढेर से गुजरना पड़ा। ऐसा इतिहासकार बताते हैं।यह विभाजन विभीषिका 1947 की घटना पूरे विश्व को हैरान कर देने वाली है। जब हिंदू-मुस्लिम, सिख के सैकड़ों साल के लंबे संघर्ष के बाद मिलकर आजादी प्राप्त की, परंतु बाद में बंटवारा धर्म की आड़ में राजनेताओं ने कर दिया, ताकि उनकी कुर्सी बची रहे। इससे आपसी सौहार्द भी खत्म हो गया। जिसमें हिंदुओं को अपनी जगह, घर-बार छोड़ना पड़ा और धन के लालच में पलायन भी खून-खराबे के बीच हुआ, जिसमें लाखों बेगुनाह धर्म की आड़ में मारे गए। यूं पड़ोसी ने पड़ोसी को धोखा दिया। बहू-बेटियों की इज्जत लूटी गई। इंसानियत शर्मसार हुई, जो अब तक नफरत की आग में कई बार युद्ध का रूप लेती रही है। अब भी दोनों पक्ष बदले की भावना से युद्ध में शामिल होते हैं। सर्वे बताता है कि हरियाणा के यमुनानगर में काफी पंजाबी परिवार रहते हैं। ज्यादातर लोग पाकिस्तान के सरगोधा जिले के हैं। जब पंजाब में जमीनें अलॉट करने के लिए नहीं बची थीं तो संयुक्त पंजाब में अब्दुलापुर में सरकार ने जमीनें दीं। पंजाबियों ने यहां अपनी अथक परिश्रम से हरी-भरी उपजाऊ भूमि बना दी, जो बाद में यमुनानगर कहलाया। पंजाबियों ने अपनी मेहनत से हर क्षेत्र में तरक्की की व देश-विदेश में नाम कमाया। मुझे यहां सिल्लावाली-फरूका से आए संयुक्त परिवार, जो लाला हरनाम दास, मैसर्ज मोती राम लद्दा राम फर्म से ताल्लुक रखता था, के बारे में जानने का

अवसर मिला। अब बच्चे-बच्चे संग अलग-अलग घर में रह रहे थे। यह सब बुजुर्ग मिनोचा परिवार से ताल्लुक रखते थे। उनके घरों में जाकर पूछकर तथ्य इकट्ठे करने की कोशिश लेखक ने की है। कृष्ण लाल ने बताया- तब मैं नौवीं कक्षा में पढ़ता था, जब हिंदुस्तान-पाकिस्तान बना। उस समय स्कूल में छुट्टियां थीं। हम सपरिवार हरिद्वार, ऋषिकेश अपनी माता, बहन व अन्य सदस्यों के साथ आए थे। फरूके में हमारी अंदाजन 250 किले जमीन संयुक्त परिवार की थीं। हमारे पिता लाला हरनाम दास, जो सरपंच के रूप में भी जाने जाते थे, ने पाकिस्तान के फरूका रेलवे स्टेशन के पास कॉटन मिल की स्थापना की थी। जिसमें तब 150 के करीब मुसलमान कर्मचारी काम करते थे। नौकरी पर मामा जी को भी साथ रखा था। कर्मचारियों को घर में चलने वाले लंगर में उन्हें भी बुलाया जाता था। घर में कई गाय-भैंसें रखी थीं। दूध कभी बेचते नहीं थे। दूध कोई भी चाहे निकालकर ले जा सकता था। पढ़ाई के बारे उन्होंने बताया कि मेरी उर्दू की लिखाई अच्छी थी। मैं अपने मास्टर जी की इज्जत करता था। उनके घर कभी-कभार गन्ने देने भी चला जाता था। उस समय जिले में किसी-किसी के पास साइकिल होती थी तो वह अमीर समझा जाता था। मेरे पास उस सम रैलीज की साइकिल थी। हमारे पिता ने बड़े भाई लाल लाजपत राय को अनाज की दुकान खोल दी थ पाकिस्तान में लुथड़ा परिवार में उनकी शादी भी कर थी। उस समय दोहरी रिश्तेदारी होती थी।₹श्री लाजप राय की पत्नी श्रीमती कृष्णा ने बताया- विभाजन समय हमारे गोदाम गेहूं से भरे पड़े थे। ससुर की रूई मिल थी। कई कच्ची रूई के गोदाम थे। यदि घर खोजें कहीं न कहीं पैसे ढूंढने से मिल जाएं। मेरे फिर जाने कृष्ण लाल ने बताया, जब पाकिस्तान बना तो पिता ने हवाई जहाज से दोनों को हिंदुस्तान भेज दिया थ हमारे पिता लाला हरनाम दास व उनके तीन भाई अप परिवारों को गुरुओं के यहां हरिद्वार छोड़ने गए। फि दोबारा पाकिस्तान फैक्टरी और जमीनों की दो ग्रुपों रखवाली के लिए गए। उनमें अपने इलाके में जाते किस किस्म का भय नहीं था, जैसे सभी अपने हों। लाल हरनाम दास की पत्नी केसरा बाई पुलिस सुरक्षा संस्कार करने हरिद्वार गई थीं और हरिद्वार में सबको पत चला। बाद में हमारे बड़े जीजा द्वारका दास बत्तरा काम के सिलसिले में पंजाब होशियारपुर चले गए। फिर हम भ सभी वहां चले गए। वहां सात साल रहे। मेरा विवाह भ वहीं हुआ, जिसके लिए बारात अंबाला कैंट गई थी। मे होशियारपुर जीजा के साथ चीनी का डिपो था। बाद जमीनें यमुनानगर के मंडोली गांव अलॉट हुईं। यहां न हुईं। सभी भाइयों ने आपस में जमीनें बांटकर रहने लग वहीं घर बनाए व दुकानें कीं। फरूका से आए पंडित खे चंद खेमा से मिलाया गया, जो पाकिस्तान में मिनोच परिवार के पंडित थे व यमुनानगर बसकर दो बड़े भाइ के घर रोटी लेने जाते रहे हैं। पंडित खेमा ने बताया- व छोटी टाइलों से बना इस परिवार का मजबूत घर ती मंजिला था। बहुधा सम्पन्न परिवारों ने अपने आश्रितों के लिए कोई आर्थिक सहायता नहीं मांगी। जो हाथ देने वा हों, वो लेने वाले नहीं हो सकते।देश की आजादी इनका भी सक्रिय रोल रहा है, पर कोई स्वतंत्रता सेना पेंशन नहीं मांगी, जैसे कि कईयों को मिलती है। आ वाली पीढ़ी को इनकी दुख भरी गाथा सुनकर सीख ले चाहिए। चाहे यहां आकर पंजाबियों ने अपनी मेहनत बलबूते अपने को फिर से स्थापित कर लिया है। वे वि के हर कोने में पहुंच गए हैं। परंतु दिल पर कहीं न क चोट है। वे 1947 की इस त्रासदी को नहीं भूल पा हैं।निस्संदेह विश्व की ऐसी घटना थी, जो आजादी प्राप्त होने के बाद भी स्थान परिवर्तन की कहीं नहीं घटी। उ सोचने को मजबूर करती है।

बलिदान

निरंकार सिंह

बाबू जगत सिंह 1799 के विद्रोह के महानायक

भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों और घटनाओं की एक श्रृंखला थी, जिसका अंतिम उद्देश्य भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करना था। यद्यपि सन 1857 के विद्रोह को 'स्वतंत्रता का प्रथम संग्राम' कहा जाता है, किन्तु भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन उससे भी बहुत पहले छिटपुट रूप से आरम्भ हो गया था। यह 1947 तक ही नहीं, बल्कि उसके बाद गोवा की मुक्ति तक चला। 16वीं शताब्दी में बाबर द्वारा स्थापित यह साम्राज्य उपमहाद्वीप के अधिकांश हिस्से पर शासन करता था। 1613 में मुगल बादशाह जहांगीर ने अंग्रेजों को गुजरात के सूरत में व्यापारिक चौकी स्थापित करने की अनुमति दी। यही भारत में अंग्रेजों के शुरुआती ठिकानों में से एक बना। इसके बाद ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने देश के अलग-अलग हिस्सों में व्यापारिक चौकियां स्थापित कीं और धीरे-धीरे आर्थिक प्रभाव को राजनीतिक और सैन्य शक्ति में बदलना शुरू किया। 1707 में औरंगजेब की मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य तेजी से कमजोर हुआ। 1757 की प्लासी की लड़ाई अंग्रेजी विस्तार का बड़ा मोड़ बनी। बंगाल के नवाब सिराजुद्दौला अंग्रेजों की बढ़ती शक्ति से चिंतित थे। उनके सेनापति मीर जाफर के विश्वासघात ने अंग्रेजों को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद मीर जाफर को अंग्रेजों ने बंगाल का नवाब बना दिया। प्लासी की जीत ने ईस्ट इंडिया कंपनी को केवल व्यापारिक संस्था से सैन्य और राजनीतिक शक्ति में बदल दिया। 1764 के बक्सर युद्ध ने इस प्रभाव को और मजबूत किया तथा बंगाल, बिहार और उत्तर भारत में कंपनी की स्थिति लगातार मजबूत होती गई। लेकिन अंग्रेजी विस्तार के साथ प्रतिरोध भी शुरू हो गया था। 1799 में बनारस क्षेत्र में बाबू जगत सिंह और वजीर अली के नेतृत्व में हुआ प्रतिरोध इसका महत्वपूर्ण उदाहरण है। 13 जनवरी 1799 की शाम तक करीब 12,837 लोगों की भीड़ जुटाई गई। इतने कम समय में इतनी बड़ी संख्या में लोगों का एकत्र होना बताता है कि प्रतिरोध की तैयारी संगठित और योजनाबद्ध थी। लेकिन माधव दास बाग पर अंग्रेजी सेना के लिए हमला आसान नहीं था। एस्किन को लगातार और सुनियोजित गोलीबारी का सामना करना पड़ा। विद्रोहियों के संगठित दलों ने कई बार अंग्रेजी सैनिकों को नजदीक से चुनौती दी। अंग्रेजों को चार छह-पाउंडर तोपों और चार टमब्रिल की आड़ में धीरे-धीरे आगे बढ़ना पड़ा। इस संघर्ष में चार अंग्रेज अधिकारी कमांडर चेरी, कैप्टन कानवे, रॉबर्ट ग्राहम और रिचर्ड इवांस मारे गए। उनकी कब्रें वाराणसी के कैंट क्षेत्र में मकबूल आलम रोड स्थित ईसाई कब्रिस्तान में आज भी देखी जा सकती हैं। हालांकि दोनों पक्षों में मारे गए कुल लोगों की प्रमाणिक संख्या उपलब्ध नहीं है, लेकिन अनुमान है कि बड़ी संख्या में लोग मारे गए। अंग्रेजों की बेहतर तोपखाने की शक्ति और भारी गोला-बारूद विद्रोहियों पर भारी पड़े। बाबू जगत सिंह और वजीर अली की ओर से पर्याप्त तोपखाने का अभाव उनकी हार का प्रमुख कारण बना। इसके अतिरिक्त अंग्रेजों के पास बनारस के आसपास बड़ी सैन्य शक्ति भी मौजूद थी। विद्रोहियों ने अंग्रेजी सेना की प्रगति रोकने की योजना बनाई थी, लेकिन इसके लिए नियुक्त कुछ लोग समय पर अपने स्थान पर नहीं पहुंचे। इससे अंग्रेजी सेना को आगे बढ़ने का अवसर मिल गया। आखिरकार बाबू जगत सिंह गिरफ्तार कर लिए गए। उनके साथ बहादुर सिंह, गजराज सिंह, बीजक सिंह, रामदयाल, शिवशरण सिंह, लाल सिंह, शिवदेव सिंह, मिर्जा अली, इमाम अली, मिर्जा बेग, हफीजुल्लाह, खैरउद्दीन बेग और मुराद चैन सहित कई लोगों को गिरफ्तार किया गया। इन पर मुकदमे चलाए गए और अलग-अलग सजाएं दी गईं। बाबू जगत सिंह पर बनारस की विशेष अदालत में मुकदमा चला और उन्हें मृत्युदंड सुनाया गया। बाद में निजाम अदालत ने इसे आजीवन देश निकाले में बदल दिया। कलकत्ता काउंसिल ने भी इसकी पुष्टि की और उन्हें कलकत्ता भेजने का आदेश दिया। 31 अगस्त 1799 को कलकत्ता पहुंचने के बाद बाबू जगत सिंह को फोर्ट विलियम में कैद कर लिया गया। 18 अक्टूबर 1799 को उन्हें सेंट हेलेना भेजने का आदेश दिया गया।

हमारी सोच बनाती है जीवन की तस्वीर

संकलित

दर्शन

संसार अपने आप में न अच्छा है, न बुरा। हम उसे जिस दृष्टि से देखते हैं, वही हमारे लिए उसकी तस्वीर बना देती है। एक ही परिस्थिति किसी के लिए परेशानी हो सकती है तो किसी दूसरे के लिए आगे बढ़ने का अवसर। आग स्वयं न शुभ है, न अशुभ। वही आग ठंड में राहत देती है और लापरवाही होने पर नुकसान पहुंचाती है। इसलिए जीवन की परिस्थितियों को कोसने के बजाय अपनी सोच और प्रतिक्रिया को समझना अधिक जरूरी है। यह भ्रम भी नहीं पालना चाहिए कि दुनिया हमारे सहारे चल रही है। प्रकृति की अपनी व्यवस्था है और जीवन अपनी गति से आगे बढ़ता रहता है। हमारे होने या न होने से संसार की गति रुकने वाली नहीं। लेकिन इसका अर्थ यह भी नहीं कि हम अपने दायित्वों से मुंह मोड़ लें। मनुष्य होने का अर्थ ही है कि हम अपने सामर्थ्य के अनुसार दूसरों के काम आएं। परोपकार करते समय सबसे जरूरी है कि उसमें अहंकार न आए। किसी जरूरतमंद की सहायता करके उस पर एहसान जताना सहायता की भावना को छोटा कर देता है। वास्तव में किसी के दुख में काम आ पाने का अवसर हमारे लिए ही सौभाग्य है। दूसरों की मदद करते हुए हम उनके जीवन में जितना बदलाव लाते हैं, उससे कहीं अधिक अपने भीतर संवेदना और मानवता को विकसित करते हैं। अंततः संसार हमारे उपकार का मोहताज नहीं, लेकिन दूसरों के लिए किया गया हर अच्छा कर्म हमारे व्यक्तित्व को जरूर समृद्ध करता है। यही जीवन को बेहतर बनाने का सबसे सरल रास्ता है।

विनम्रता ही सबसे बड़ी ताकत है

संकलित

प्रेरणा

एक बार दांत और जीभ के बीच बहस छिड़ गई। दांत अपनी चमक और मजबूती पर इतराते हुए जीभ से बोले, "तुम तो बस मांस का एक टुकड़ा हो। न तुम्हारा कोई खास रूप है, न रंग और न ही हमारी तरह चमक। देखो, हम कितने सुंदर और मजबूत हैं।"जीभ ने दांतों की बात का कोई जवाब नहीं दिया। वह शांत रही। समय बीतता गया। दिन महीनों में और महीने वर्षों में बदल गए। उम्र बढ़ने लगी तो एक-एक करके दांत कमजोर होते गए और गिरने लगे। इसके विपरीत जीभ पहले की तरह अपना काम करती रही।जब कुछ आखिरी दांत भी गिरने की स्थिति में पहुंचे तो जीभ ने मुस्कुराकर कहा, "भाइयो, बहुत समय पहले आपने मुझसे अपने रूप और मजबूती को लेकर कुछ कहा था। आज समय ने ही उसका जवाब दे दिया। मैं तुमसे पहले इस शरीर में आई थी और अब उम्र में भी तुमसे बड़ी हूं। फिर भी तुम एक-एक करके मुझसे पहले विदा हो रहे हो।"दांतों को अपनी गलती का अहसास हुआ। उन्होंने विनम्र होकर कहा, "अब समझ में आया कि केवल मजबूत होना ही पर्याप्त नहीं। कठोरता ने हमें कमजोर कर दिया, जबकि तुम्हारी कोमलता ने तुम्हें लंबे समय तक टिकाए रखा।"यह छोटी-सी कहानी जीवन का बड़ा सत्य सिखाती है। कठोरता अक्सर टकराव पैदा करती है, जबकि विनम्रता रिश्तों को बचाती है। सामने वाला उम्र, पद या क्षमता में छोटा हो या बड़ा, सम्मान हर व्यक्ति का अधिकार है।सच्ची ताकत दूसरों को दबाने में नहीं, बल्कि विनम्र रहकर सबका दिल जीतने में है।

अंतर्मन

आज की पाती

बच्चों का बचपन छीन रही स्क्रीन

आज मोबाइल, टीवी, टैबलेट और कंप्यूटर बच्चों की दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा बन चुके हैं। पढ़ाई और मनोरंजन के नाम पर बच्चे घंटों स्क्रीन के सामने बिताते हैं। इसका असर उनकी आंखों, नींद, शारीरिक गतिविधियों और मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। माता-पिता को बच्चों के लिए स्क्रीन टाइम की स्पष्ट सीमा तय करनी चाहिए। भोजन और सोने से पहले मोबाइल से दूरी तथा रोजाना कुछ समय खेलकूद, किताब पढ़ने और परिवार के साथ बातचीत के लिए निर्धारित किया जाना चाहिए। अभिभावकों को स्वयं भी मोबाइल का सीमित उपयोग कर बच्चों के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। बच्चों का बचपन स्क्रीन में नहीं, मैदान और किताबों के बीच सुरक्षित रह सकता है। इस दिशा में परिवार और स्कूल दोनों को गंभीर प्रयास करने चाहिए। तभी बच्चे स्क्रीन से दूर रह सकेंगे। -सूर्यांश कौशिक, रोहतक

ट्रेंड

दवा क्षेत्र में काम किया

हमने दवा क्षेत्र में महत्वपूर्ण काम किया है, लेकिन आज जरूरत इस बात की है कि एक-दो भारतीय कंपनियां दुनिया की शीर्ष पांच कंपनियों में प्रमुख स्थान हासिल करें। भारत को वहां अपना स्थान सुनिश्चित करना चाहिए। -नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

युवाओं को सही दिशा दें

युवा देश के लिए 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' है। अगर उन्हें सही दिशा दी जाए तो देश को फायदा होगा, ऐसा नहीं हुआ तो भविष्य में समाज पर बोझ बढ़ेगा। युवाओं को भविष्य की पीढ़ियों की जरूरतों का भी ध्यान रखना चाहिए।-मोहन भागवत, आरएसएस प्रमुख

राष्ट्र निर्माण में लगाएं प्रतिभा

मैं युवा मित्रों से कहना चाहती हूं-अपनी ताकत को सोशल मीडिया तक सीमित मत रखिए। अपने विचारों का उपयोग स्टार्टअप के लिए और अपनी रचनात्मकता का उपयोग नवोन्मेष के लिए कीजिए। शोध कीजिये अपनी प्रतिभा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाइए।

-रेखा गुप्ता, सीएम दिल्ली

एक करोड़ नौकरी देंगे

हमारी सरकार ने 2030 तक राज्य के लोगों को एक करोड़ सरकारी नौकरियां और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का नया लक्ष्य निर्धारित किया है। हमारी औद्योगिक नीति राज्य में अधिकतम रोजगार पैदा करने पर केंद्रित है।' इससे युवाओं को रोजगार मिलेंगे और बिहार का विकास होगा। -सम्राट चौधरी, सीएम बिहार

करंट अफेयर

मानसून में छुट्टियां बिताने के लिए गोवा पसंदीदा गंतव्य

भारत में मानसून के दौरान तीन-चार दिन की छुट्टियों में घूमने के लिए गोवा लोगों की पहली पसंद बनकर उभरा है। राज्य के पर्यटन विभाग के अनुसार, मानसून में यात्रा के लिए घरेलू स्तर पर जानकारी हासिल करने की गतिविधियों यानी 'सर्च' में सालाना आधार पर करीब 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। विभाग ने कहा कि एयरबीएनबी के 'सर्च' आंकड़े यात्रा की पसंद में बदलाव का संकेत देते हैं। भारतीय मानसून के दौरान अचानक बनाए गए सप्ताहांत के कार्यक्रम और तीन से पांच दिन की छोटी छुट्टियों को काफी पसंद कर रहे हैं। गोवा के पर्यटन मंत्री रोहन ए. खंवटे ने कहा कि यह रुझान इस बात की पुष्टि करता

ऑफ बीट

जब जिन्ना बंटवारे की भयावहता से रूबरू हुए

वर्ष 1947 में जब बंटवारे ने उपमहाद्वीप को झकझोर दिया, तो सांप्रदायिक हिंसा, हत्याओं और लूटपाट के बीच लाखों लोगों को नई बनी सीमा पार करके भागने पर मजबूर होना पड़ा। इसी माहौल में, विभाजित पंजाब से लोगों का सैलाब गुजरते देख पाकिस्तान के संस्थापक मुहम्मद अली जिन्ना ने कथित तौर पर अपना माथा पीटा और निराशा में कहा, "मैंने यह क्या कर दिया?" इस घटना का जिक्र पत्रकार और लेखक कुलदीप नैयर की आत्मकथा 'बियॉन्ड द लाइन्स' में किया गया है। किताब में कहा गया है कि जब जिन्ना लाहौर में थे, तो पाकिस्तान के पुनर्वास मंत्री इफ्तिखार-उद-दीन और 'पाकिस्तान टाइम्स' के संपादक मजहर अली खान उन्हें डकोटा विमान से विभाजित पंजाब के ऊपर ले

संक्षेप

अवैध तमंचे, जिंदा कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार

जुर्म-जुराईम अभियान में पकड़ा गया, 20 मुकदमे दर्ज, पुलिस ने भेजा जेल

अमेठी जिला, संग्रामपुर थाना पुलिस ने 'जुर्म-जुराईम' अभियान के तहत एक युवक को अवैध तमंचे और जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। युवक की पहचान आशीष द्विवेदी के रूप में हुई, जिसे क्षेत्र के गडेरी मोड़ विशेश्वरगंज के पास से पकड़ा गया।पुलिस ने आशीष द्विवेदी के पास से 315 बोर का एक अवैध देशी तमंचा और 315 बोर का एक जिंदा कारतूस बरामद किया।आशीष द्विवेदी पर कुल 20 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।इनमें से एक मुकदमा कोतवाली अमेठी में, एक पीपरपुर थाने में और शेष 18 मुकदमे संग्रामपुर थाने में पंजीकृत हैं।थाना संग्रामपुर प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि आशीष द्विवेदी पर एससी/एसटी एक्ट, मारपीट और लूट जैसे गंभीर अपराधों के तहत 18 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने वैधानिक कार्यवाही पूरी करने के बाद अभियुक्त को जेल भेज दिया है।

इन्हौना बस स्टेशन के सामने दो बाइक सवार गिरे

हादसे में एक व्यक्ति गंभीर घायल, अस्पताल भेजा गया

अमेठी, इन्हौना बस स्टेशन के सामने रविवार को एक सड़क हादसे में दो मोटरसाइकिल सवार घायल हो गए। इस दुर्घटना में एक व्यक्ति के चेहरे और सिर पर गंभीर चोटें आई हैं।घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचित किया।जानकारी के अनुसार, दोनों व्यक्ति प्रधान ढाबा के पास से मोटरसाइकिल लेकर निकले थे। फिलहाल उनकी पहचान स्पष्ट नहीं हो पाई है।घायल व्यक्ति ने स्वयं को पूजा ट्रेवल्स, नेपाल से संबंधित बताया है। प्रधान ढाबा के पास उनकी मोटरसाइकिल खड़ी होने की बात भी सामने आई है।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दोनों व्यक्ति कथित तौर पर नशे की हालत में थे, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सूचना मिलने पर 112 पुलिस टीम, जिसमें विजय यादव भी शामिल थे, मौके पर पहुंची। पुलिस ने एंबुलेंस बुलाकर घायल को उपचार के लिए जगदीशपुर सीएचसी भेजा।पुलिस इस मामले में आगे की जानकारी जुटा रही है और दोनों बाइक सवारों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।

छत पर सो रहे व्यक्ति को पीटने का आरोप

पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर दर्ज किया मुकदमा

अमेठी , शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में छत पर सो रहे एक व्यक्ति के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित बंश गोपाल का आरोप है कि उन्हें 'चोर' कहकर कुछ लोगों ने पीटा।ग्राम पूरे बना, मजरा सेमरौता निवासी बंश गोपाल ने बताया कि रात करीब 2:30 बजे वह अपनी छत पर सो रहे थे। इसी दौरान राममिलन की पत्नी ने 'चोर-चोर' कहकर शोर मचाना शुरू कर दिया।पीड़ित के अनुसार, रामलाल और महाराज दीन सहित कुछ अन्य लोगों ने उनके साथ मारपीट की। घटना की सूचना मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची।

तेंदुआ पकड़ने के लिए मोतीपुर में तीन जगह लगाए गए पिंजरे, छह ट्रैप कैमरों से निगरानी

राजापुर गिरंट, जगतापुर गुलरिहा, बिलासपुर बरूहा, और दौलतपुर सहित आधा दर्जन गांवों में दहशत

मिथिलेश जायसवाल

अमन लेखनी समाचार

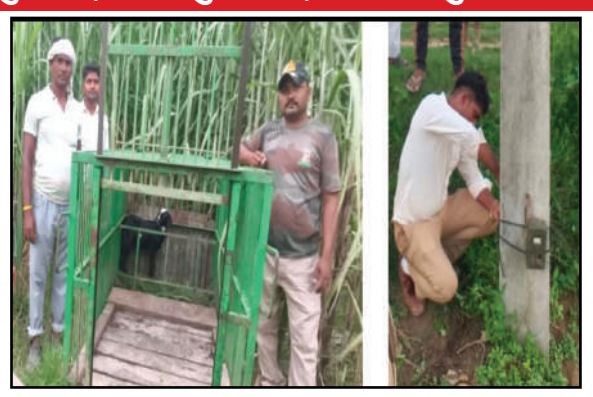

मोतीपुर, बहराइच। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज में तेंदुए की बढ़ते हमलो से ग्रामीणों में दहशत है। लगातार हो रहे हमलों को देखते हुए वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए तीन स्थानों पर पिंजरे लगाए हैं। वहीं राजापुर गिरंट और दौलतपुर के बंगला क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक ट्रैप कैमरे लगाकर तेंदुए की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। मोतीपुर रेंज के जगतपुर गुलरिया, बिलासपुर और बरुहा समेत करीब आधा दर्जन गांवों में पिछले कुछ समय से तेंदुए की आवाजाही लगातार बनी हुई है। इन क्षेत्रों में तेंदुए के हमलों में कई लोग घायल हो चुके हैं, जबकि एक पांच वर्षीय बालक की जान भी जा चुकी है। लगातार हो रही घटनाओं के कारण ग्रामीणों में भय का माहौल है। वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने के लिए बिलासपुर, बरुहा और गुलरिया-जगतपुर में पिंजरे लगाए हैं। इन स्थानों पर वनकर्मियों की टीम निगरानी कर रही है। इसके साथ ही राजापुर गिरंट और दौलतपुर के बंगला क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं, ताकि तेंदुए की सही लोकेशन और उसकी गतिविधियों का पता लगाया जा सके। तेंदुए की दहशत का असर ग्रामीणों की दिनचर्या पर भी पड़ा है। लोग अकेले खेतों की ओर जाने से बच रहे हैं। बच्चों को घर से बाहर भेजना लगभग बंद कर दिया गया है। शाम होते ही ग्रामीण घरों में कैद हो जाते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि तेंदुए की लगातार मौजूदगी के कारण हर समय हमले का डर बना रहता है। वन विभाग की ओर से ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले जंगल अथवा खेत की ओर न जाने की सलाह दी जा रही है। विभाग की टीमें पिंजरों और ट्रैप कैमरों के माध्यम से तेंदुए की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। ग्रामीणों ने तेंदुए को जल्द पकड़कर क्षेत्र को भयमुक्त कराने की मांग की है।प्रभारी वन क्षेत्राधिकारी केके सिंह ने बताया कि तीन स्थानों पर पिंजरे लगाए गए हैं तथा दो स्थानों पर ट्रैप कैमरे लगाकर निगरानी की जा रही है वन कर्मियों की टीम तैनात की गई है। लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

बारह वफात व कांवड़ यात्रा को लेकर गंडारा में पीस कमेटी की बैठक

अमन लेखनी समाचार

कैसरगंज, बहराइच। थाना क्षेत्र के ग्राम गंडारा चौकी परिसर में आगामी बारह वफात एवं कांवड़ यात्रा को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उप जिलाधिकारी कैसरगंज प्रशांत कुमार नायक ने की। इस दौरान पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, धर्मगुरुओं और विभिन्न समुदायों के लोगों से संवाद कर त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने पर चर्चा की। बैठक में पुलिस क्षेत्राधिकारी कैसरगंज डीके श्रीवास्तव एवं थाना प्रभारी कैसरगंज राजकुमार पांडेय ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारा बनाए रखें और एक-दूसरे की धार्मिक भावनाओं का सम्मान करें। साथ ही किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न देने तथा संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। एसडीएम प्रशांत कुमार नायक ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य सभी धार्मिक आयोजनों को शांति, सद्भाव और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना है। इसके लिए पुलिस एवं प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और क्षेत्रवासियों का सहयोग बेहद जरूरी है। बैठक में मौलाना खालिद साहब, नीरज श्रीवास्तव, भाजपा मीडिया प्रभारी एवं शासकीय अधिवक्ता अजमल खान, विजय जोशी, भारत राम निषाद, कांवरिया संघ अध्यक्ष गंडारा सहित क्षेत्र के अनेक संभ्रांत नागरिक मौजूद रहे। सभी ने प्रशासन को सहयोग का भरोसा दिलाते हुए क्षेत्र में आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखने का संकल्प लिया।

पीएम श्री जीजीआईसी बहराइच में आयोजित हुआ कैरियर गाइडेंस मेला

मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद रहे

अमन लेखनी समाचार

बहराइच। मंगलवार को शहर स्थित पीएम श्री राजकीय बालिका इंटर कालेज बहराइच में कैरियर गाइडेंस मेला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सर्वप्रथम सरस्वती वन्दना व दीप प्रज्वलित के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला विद्यालय निरीक्षक सर्वदानंद व विशिष्ट अतिथि के रूप में वीरेश कुमार वित्त एवं लेखाधिकारी माध्यमिक, यशंवत कुमार प्रधानाचार्य जीआईसी भग्गडवा बाजार, नागेन्द्र कुमार प्रधानाचार्य जीआईसी बहराइच, अमित कुमार पाण्डेय प्रधानाचार्य पीएम श्री जीआईसी रमपुरवा व प्रबन्धक बैंक आफ बड़ौदा तथा समस्त शिक्षिकाएं एवं अभिभावक गण उपस्थित रहे। सभी सम्मानित अधिकारी ने अपने क्षेत्र से सम्बन्धित जानकारी छात्राओं को प्रदान की। कैरियर गाइंडेस मेला में विद्यार्थियों द्वारा स्टाल लगाए गए।सभी अतिथियों ने स्टाल पर पहुँचकर विद्यार्थियों से जानकारी हासिल की। तथा विद्यार्थियों को भविष्य में सफलता पाने के टिप्स दिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती मधु यादव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। तथा सभी अतिथियों को विद्यालय की पत्रिका भेंट किया। कैरियर गाइंडेस की नोडल प्रभारी श्रीमती प्रतिमा कुमारी व सभी शिक्षिकाएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में विकास भवन सभागार में आयोजित हुआ पंच सम्मेलन

वीबी–जी राम जी योजना के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

मिथिलेश जायसवाल / अमन लेखनी समाचार

बहराइच। वीबी-जी राम जी योजना के प्रभावी एवं पारदर्शी क्रियान्वयन के लिए एवं ग्राम प्रधानों के साथ समन्वय स्थापित करने तथा योजना से संबंधित जानकारी को ग्राम स्तर तक पहुंचाने के उद्देश्य से विकास भवन सभागार में पंच सम्मेलन का आयोजन किया गया। पंच सम्मेलन में सांसद बहराइच डॉ. आनन्द कुमार गोंड, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मंजू सिंह, विधायक बलहा श्रीमती सरोज सोनकर तथा प्रमुख क्षेत्र पंचायत/प्रशासक तथा प्रत्येक विकासखंड से 10-10 ग्राम प्रधान/प्रशासक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। पंच सम्मेलन में मौजूद जनप्रतिनिधियों एवं ग्राम प्रधानों को वीबी-जी राम जी योजना से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। अधिकारियों द्वारा योजना के उद्देश्यों, विभिन्न प्रावधानों, कार्यों के चयन, पात्रता तथा ग्राम स्तर पर योजना के क्रियान्वयन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। योजना के बेहतर एवं प्रभावी संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय बनाए रखने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर आवश्यक प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर जोर दिया गया। अधिकारियों ने कहा कि जनप्रतिनिधियों, ग्राम प्रधानों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के बेहतर समन्वय से योजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकता है। पंच सम्मेलन के दौरान योजना के सुचारु संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में जनप्रतिनिधियों व ग्राम प्रधानों से सुझाव भी प्राप्त किए गए। प्रतिभागियों ने ग्राम स्तर पर योजना के लाभ को अधिक से अधिक पात्र परिवारों तक पहुंचाने तथा कार्यों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये गये। कार्यक्रम के अंत में सभी संबंधित अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए पंच सम्मेलन का समापन किया गया। पंच सम्मेलन का संचालन उपायुक्त श्रम रोजगार रवि शंकर पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी राज कुमार, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण मनीष कुमार, उपायुक्त स्वतः रोजगार धनंजय सिंह, समस्त खंड विकास अधिकारी, अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी तथा प्रत्येक विकासखंड के सचिव एवं तकनीकी सहायक सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

एक माह से लापता मासूम का अभी तक नहीं लगा कोई सुराग

अमन लेखनी समाचार

बांगरमऊ, उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अकबरापुर में डेढ़ वर्ष की मासूम आयत को लापता हुए एक माह बीत गया, लेकिन उसका अब तक कोई सुराग नहीं लग सका है। बेटी के इंतजार में मां रुबीना की आंखें पथरा गई हैं। घर के बाहर बैठकर वह हर आहट पर दरवाजे की ओर देखती है और दिल में यही उम्मीद जगाती है कि शायद कोई उसकी मासूम बेटी को लेकर लौट आए। ग्राम अकबरपुरा निवासी रुबीना पत्नी अजीम के मुताबिक गत 17 जुलाई को वह खेत पर गई थी। उसकी करीब डेढ़ वर्ष की बेटी आयत घर में सो रही थी। इसी दौरान रुबीना का बहनोई घर पहुंचा तो बच्ची वहां नहीं मिली। उसने इसकी जानकारी रुबीना को दी। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन मासूम का कहीं पता नहीं चला। अगले दिन 18 जुलाई को रुबीना ने कोतवाली पहुंचकर बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने भी बच्ची की तलाश में घनी झाड़ियों से लेकर नहर तक खाक छानी, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा। एक माह बाद भी मासूम का पता न चलने से परिवार की चिंता लगातार बढ़ती जा रही है। बेटी के इंतजार में रुबीना का रो-रोकर बुरा हाल है। कभी वह बेटी की तस्वीर को निहारती है तो कभी घर के बाहर टकटकी लगाए बैठ जाती है। उसकी आंखों में एक ही सवाल है—आखिर उसकी आयत कहां चली गई? क्या उसे कोई उठा ले गया, कोई अनहोनी हुई या फिर वह किसी जंगली जानवर का शिकार बन गई? इन सवालों का जवाब आज भी अनसुलझा है। मां की ममता हर दिन बेटी की राह देख रही है। रुबीना को अब भी भरोसा है कि उसकी आयत एक दिन अचानक सामने आकर उसे पुकारेगी और उसकी सूनी गोद फिर से भर जाएगी।

एसपी सरवणन टी. को डीजेपी का प्रशंसा चिह्न गोल्ड

अमेठी में ऑपरेशन चक्रव्यूह से 778 अपराधी भेजे जेल

अमन लेखनी समाचार

अमेठी , पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. को उत्कृष्ट सेवा और जिले में कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक की ओर से प्रतिष्ठित प्रशंसा चिह्न गोल्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान प्रदान किया गया। एसपी ने जिले में चलाए गए ऑपरेशन चक्रव्यूह के जरिए अपराध नियंत्रण में अहम भूमिका निभाई है। अमेठी में कार्यभार संभालते ही एसपी सरवणन टी. ने ऑपरेशन चक्रव्यूह शुरू किया। यह महाभारत की रणनीति से प्रेरित स्थानिक और समयगत सर्विलांस मॉडल है। अभियान के तहत पिछले तीन वर्षों के संपत्ति संबंधी अपराधों का डेटा खंगाला गया। इसके आधार पर जिले की सीमाओं और प्रमुख मार्गों पर चेकिंग पॉइंट्स का नेटवर्क तैयार किया गया।

1 मार्च से 778 अपराधी और वारंटी गिरफ्तार

अभियान के तहत 1 मार्च से अब तक पुलिस ने 778 शातिर अपराधियों और वारंटियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाले बदमाशों पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 8 हाफ एनकाउंटर भी किए।ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस ने अपहृत 47 नाबालिग बच्चियों और 15 गुमशुदा महिलाओं को भी सकुशल बरामद किया। बरामदगी के बाद उन्हें उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के रहने वाले हैं सरवणन टी.

एसपी सरवणन टी. मूल रूप से तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली के रहने वाले हैं और 2019 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। उन्हें तकनीक के इस्तेमाल और तेज-तर्रार कार्यशैली के लिए जाना जाता है। अमेठी से पहले वाराणसी में तैनाती के दौरान भी उन्होंने साइबर अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई बड़े गिरोहों का भंडाफोड़ किया था।एसपी सरवणन टी. ने कहा कि तकनीक, डेटा एनालिसिस और फील्ड वर्क के बेहतर तालमेल से जिले में अपराध का ग्राफ नीचे आया है।

इससे आमजन का पुलिस पर भरोसा भी बढ़ा है।

उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सजा पूरी, फिर भी पाकिस्तान में कैद अलीगढ़ का बादल

जिस लड़की के प्यार में सरहद पार की, उसने नहीं अपनाया; मां बोली– उसे ले आओ

अमन लेखनी समाचार

अलीगढ़ , बादल लड़की के प्यार में पाकिस्तान पहुंच गया। करीब दो साल पहले वह बिना वीजा के सीमा पार कर गया था। पाकिस्तान में अवैध तरीके से घुसने पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट ने उसे एक साल की सजा सुनाई। उसकी सजा पूरी हो चुकी है। इसके बावजूद बादल अब भी लाहौर के डिटेंशन सेंटर में है। बादल के मां-पिता ने बताया- उसकी भारत वापसी की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। हाल ही में उसने फोन पर पिता से बात की। उसने बताया कि वह पेट, आंतों और किडनी की बीमारी से परेशान है। घरवाले अब पीएम मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सीएम योगी से बेटे की जल्द वापसी की गुहार लगा रहे हैं। बादल की मां ने हाथ जोड़कर कहा कि दो साल से बेटे को नहीं देखा। सरकार मेरे बेटे को वापस बुला दे। बरला क्षेत्र के खिटकारी गांव का रहने वाला 23 साल का बादल दिल्ली की एक कंपनी में सिलाई करता था। तभी सोशल मीडिया पर उसकी दोस्ती पाकिस्तान की सना रानी से हुई। दोनों के बीच धीरे-धीरे प्यार हो गया। बादल ने अगस्त 2024 में पाकिस्तान जाने की कोशिश की थी, लेकिन वह सफल नहीं हुआ। इसके बाद 15 अक्टूबर 2024 को वह बिना वीजा पाकिस्तान पहुंच गया।

पाकिस्तान की जेल से निकला, अब डिटेंशन सेंटर बंद

बादल के पिता खेती और मजदूरी करते हैं। बादल तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर है। उसके दोनों भाई रंगाई-पुताई का काम करते हैं। उसकी इकलौती बहन की शादी हो चुकी है। बादल की अभी शादी नहीं हुई है। परिवार के मुताबिक, पाकिस्तान पहुंचने के बाद बादल काफी समय तक वहीं रहा और काम भी किया। 27 दिसंबर, 2024 को पंजाब प्रांत के मंडी बहाउद्दीन इलाके की पुलिस ने उसे पाकिस्तान में अवैध रूप से प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। जांच में उस पर जासूसी का संदेह सही नहीं पाया गया। इसके बाद विदेशी अधिनियम के तहत 13 मई को पाकिस्तान की अदालत ने बादल की दलीलें सुनीं। उसे एक साल की कैद की सजा सुनाई। कोर्ट ने उस पर 5 हजार रुपए का जुमार्ना भी लगाया।

बंद मिला सरकारी स्कूल तो भड़के संजय सिंह

बोले- कागजों में चल रहा, मौके पर लटका ताला; सोशल मीडिया पर वीडियो शेयर किया

अमन लेखनी समाचार

सुल्तानपुर , आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सांसद संजय सिंह ने उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने रात 11:04 बजे अपने हैंडल पर जयसिंहपुर विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय राहिलपारा के औचक निरीक्षण का वीडियो साझा किया। संजय सिंह ने दावा किया कि सरकारी रिकॉर्ड में विद्यालय संचालित दिखाया जा रहा है, जबकि मौके पर ताला लटका मिला। उन्होंने इसे शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा बड़ा 'फ्रॉड' बताया। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि कागजों में बच्चों को शिक्षा देने की बात कही जा रही है, जबकि वास्तविकता में विद्यालय बंद है और उसे किसी दूसरे स्कूल में मर्ज कर दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि विद्यालय बंद हो चुका है तो उसे सरकारी रिकॉर्ड में संचालित क्यों दिखाया जा रहा है और इसके पीछे सरकार की क्या मंशा है।

रसोईघर बना कबाड़खाना, कमरों में बिजली-पानी की सुविधा नहीं

सांसद ने विद्यालय की जर्जर हालत पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि स्कूल का रसोईघर कबाड़खाने और नशेड़ियों के अड्डे में तब्दील हो गया है। कमरों में बिजली की व्यवस्था नहीं है और बच्चों के लिए पीने का पानी भी उपलब्ध नहीं है। उन्होंने बताया कि स्कूल का हैंडपंप भी खराब पड़ा है। संजय सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि शिक्षा के मंदिर को 'दारू का ठेका' और खंडहर बनने के लिए छोड़ दिया गया है।

'स्कूलों पर ताला लगाकर कैसे बनेगा विकसित भारत?'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के नारे पर निशाना साधते हुए संजय सिंह ने कहा कि एक तरफ देश की आजादी की 80वीं वर्षगांठ मनाई और 2047 तक विकसित भारत बनाने का दावा किया जा रहा है।

बेटी गोद में लेकर पति के शव से लिपटकर रोई

4 दिन बाद अंतिम संस्कार, इंस्पेक्टर ने नेता से गमछा छीना, बोले- कितने पैसे दोगे

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ , कम्प्यूटर ऑपरेटर सौरभ विश्वकर्मा (32) का 4 दिन बाद अंतिम संस्कार कर दिया गया। 4 माह की बेटी को गोद में लेकर पत्नी आंचल शव से लिपट गई। चिल्लाती रही- इन्हें मत ले जाओ। मां हीरावती भी मेरा लल्ला" बोलते हुए फफक पड़ीं। रिश्तेदारों ने किसी तरह आंचल और हीरावती को हटाया। शव को अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले गए। सौरभ की गुरुवार रात पीट-पीटकर हत्या कर दी गई थी। मौत से पहले उसने वीडियो पर बयान दिया था। इसमें पूर्व ब्लॉक प्रमुख समेत 6 हमलावरों के नाम बताए थे। सौरभ आपूर्ति विभाग में था। वारदात जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर लीलापुर थाना क्षेत्र में हुई थी।परिजन 4 दिनों से शव को रखकर आरोपियों पर एक्शन की मांग पर अड़े हुए थे। सुबह करीब 9:30 बजे पुलिस और लोकजन सोशलिस्ट पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. वीरेंद्र विश्वकर्मा के बीच कहासुनी हो गई। डॉ. वीरेंद्र परिवार को पैसे देने की बात कह रहे थे। इस पर लीलापुर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार सिंह ने डॉ. वीरेंद्र के कंधे पर पड़ा गमछा उतारकर जमीन पर रख दिया। कहा- कितने पैसे दोगे, दो।लोगों के बीच-बचाव पर मामला शांत हुआ। भाजपा नेता और पुलिस के आश्वासन के बाद परिजन अंतिम संस्कार को राजी हुए। सौरभ की एक साल पहले शादी हुई थी।विधायक, भाजपा नेता भी बात करने पहुंचे, चंद्रशेखर ने वीडियो कॉल करीब 8 बजे विश्वनाथगंज विधायक जीतलाल पटेल परिजनों से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिवार को समझाने का प्रयास किया, लेकिन परिजन अपनी मांगों पर अड़े रहे। इसके बाद विधायक वहां से लौट गए।

जिन्होंने मेरे पति को मारा, उनको फांसी हो

पीड़ित पत्नी बोली- सब मिले हुए; लव मैरिज के बाद हुई थी हत्या

अमन लेखनी समाचार

प्रतापगढ़ ,फांसी दिलाइए इन लोगों को .बिरेन, प्रेम, राज इन लोगों ने मेरे पति को मार दिया। मेरे पापा ने पुलिस को पैसा दे दिया। पुलिस वालों ने ही हमारे निकलने की जानकारी इन लोगों को दी है। मैं कोर्ट में बयान दे चुकी थी, फिर भी बार-बार बुला रहे थे। हम लोग मना कर रहे थे कि हमें धमकी मिली है। पुलिस वालों ने भरोसा देकर बुलाया था कि कुछ नहीं होगा। उसके बाद भी ये हो गया।ये दर्द है लव मैरिज के डेढ़ महीने बाद अपने पति को खोने वाली पत्नी अर्चना का। अर्चना अपने पति शिवनाथ के साथ बयान देकर लौट रही थी। रास्ते में अर्चना के मायके वालों ने गाड़ी ओवरटेक करके शिवनाथ को बेरहमी से पीटा। शिवनाथ की मौत हो गई। मामला हथिगवां थाना क्षेत्र का है।महमदपुरबरई गांव के रहने वाले शिवनाथ (25) और इसी गांव की अर्चना (26) का 6 महीने से अफेयर चल रहा था। दोनों के घरों की दूरी 200 मीटर है। 25 जून को दोनों घर से चले गए थे। 26 जून को दिल्ली के आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली। 29 जून को दोनों ने शालीमार बाग में कोर्ट मैरिज भी कर ली थी।अर्चना के चाचा वीरेंद्र ने 27 जून को कुंडा कोतवाली में तहरीर देकर शिवनाथ पर भतीजी को बहला-फुसलाकर भगाने का केस दर्ज कराया था। इसके बाद पुलिस ने दोनों को बयान दर्ज कराने के लिए नोटिस भेजा था। 13 अगस्त को शिवनाथ और अर्चना कुंडा पहुंचे और बयान दर्ज कराया। लौटते समय सुआनारी गांव के पास शिवनाथ के साथ मारपीट की गई, जिससे उसकी मौत हो गई।हमारे पास बेटी की तरह रहेगी अर्चना-पीड़ित पत्नी से बात करने के लिए भास्कर 20 किलोमीटर दूर उसके गांव पहुंचा। अर्चना अभी अपने ससुराल में है।

संक्षेप

बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस पर फायरिंग की, दरोगा की बुलेटप्रूफ जैकेट में गोली फंसी

बागपत ,7 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म के प्रयास के मामले में फरार चल रहे आरोपी प्रिंस को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। गोली दरोगा शैलेंद्र कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट में जा फंसी, जिससे उनकी जान बच गई। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के पैर में गोली लगी। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिसकर्मी की बेटी से किया था दुष्कर्म का प्रयासपुलिस के अनुसार, आरोपी प्रिंस ने उत्तर प्रदेश पुलिस के एक हेड कांस्टेबल की 7 वर्षीय बेटी से दुष्कर्म का प्रयास किया था। घटना के बाद उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामला दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार चल रहा था। आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम था पुलिस फरार आरोपी की तलाश में लगातार दबिश दे रही थी। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। इसी दौरान थाना क्षेत्र में पुलिस चेकिंग अभियान चला रही थी। पुलिस को मोटरसाइकिल सवार प्रिंस अवैध तमंचे के साथ दिखाई दिया। रोकने पर पुलिस पर की फायरिंगपुलिस ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया तो उसने टीम पर फायरिंग कर दी। आरोपी की गोली दरोगा शैलेंद्र कुमार की बुलेटप्रूफ जैकेट में जा लगी। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें प्रिंस के पैर में गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी प्रिंस, निवासी तेड़ा, थाना सिंघावली अहीर, के कब्जे से एक मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। घायल आरोपी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी सूर्यदीप ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की गहनता से जांच की जा रही है। आरोपी के खिलाफ नियमानुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवती को परेशान करने, भाई को धमकी देने का आरोप

युवक पर मुकदमा दर्ज, पुलिस ने जांच शुरू की

बागपत , एक गांव में एक युवती को परेशान करने और उसके भाई को जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायत के अनुसार, आरोपी युवक पीड़ित परिवार के घर पहुंचा और दरवाजा खोलने के लिए कहने लगा। जब परिवार ने दरवाजा नहीं खोला, तो उसने जान से मारने की धमकी दी। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी अपनी बाइक से वहां से चला गया। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि आरोपी काफी समय से युवती का पीछा कर उसे परेशान कर रहा था। युवती जब पढ़ाई के लिए बागपत आती-जाती थी, तब आरोपी बाइक से उसका पीछा करता था और रास्ते में गलत इशारे भी करता था। परिवार के सदस्यों ने आरोपी को समझाकर युवती को परेशान न करने की हिदायत दी थी। हालांकि, आरोपों के अनुसार, इसके बावजूद उसकी हरकतें जारी रहीं।

ऑनलाइन जुऐ ने पूर्व प्रधान के पुत्र की छीनी जिंदगी

आम के पेड़ में फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

अमन लेखनी समाचार

अमौली, फतेहपुर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव गौरा के पूर्व प्रधान धनीराम के छोटे बेटे 35 वर्षीय शशि कुमार ने ऑनलाइन जुए की लत के चलते एक आम के पेड़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मिली जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव हरिजनपुर के समीप बगीचे में एक आम के पेड़ पर युवक का शव लटका हुआ देख स्थानीय लोगों ने शोर मचाया कुछ ही देर में काफी भीड़ इकट्ठा हो गई वहीं सूचना मिलने पर चांदपुर थाना अध्यक्ष वृंदावन राय समेत भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा छानबीन करते हुए थाना प्रभारी को पेड़ के पास मृतक के अलावा एक मोटरसाइकिल बरामद हुई शव की शिनाख्त की गई वहीं परिजनों को सूचना दी गई सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया मौके पर पहुंचे पूर्व प्रधान पिता समेत परिजनों ने बताया कि युवक का विवाह लगभग 8 वर्ष पहले पत्नी ऊषा के साथ हुआ था युवक के एक बेटा उत्कर्ष तथा बेटी उर्वशी भी है मृतक मौरम गिट्टी सरिया इत्यादि का कारोबारी था वही ऑनलाइन सट्टा की लत पड़ जाने से लाखों रुपए का नुकसान युवक का हुआ परिजनों ने बताया कि युवक ने अपनी चार पहिया वाहन कार भी इसी कारण गिरवी रख दिया है विगत दिवस सोमवार शाम समय वह किसी से पैसा लेने की बात बता कर अपनी मोटरसाइकिल से घर से गया वही एक बार बात होने के बाद दोबारा बात नहीं हो पाई और उसका फोन बंद बताने लगा देर रात तक घर वापस न लौटने पर परिजनों ने तलाश की परंतु कोई पता नहीं चला कल मंगलवार सुबह हरिजनपुर गांव के पास युवक का शव एक पेड़ में लटका हुआ मिला थाना प्रभारी ने मौके पर जांच करते हुए पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा वहीं फॉरेंसिक टीम ने पहुंचकर अपनी जांच पड़ताल पूरी की घटना के पश्चात परिजनों ने अन्य किसी भी प्रकार की आशंका नहीं जताई

तहसीलदार शैलकुमारी को मिला बिंदकी तहसील का कार्यभार

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। बिंदकी तहसीलदार अचिलेश सिंह के स्थानांतरण के पश्चात नवनियुक्त तहसीलदार शैल कुमारी ने बिंदकी तहसील का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्होंने तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया और विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी प्राथमिकता क्षेत्र में पारदर्शिता एवं न्याय सुनिश्चित करना रहेगा शैल कुमारी ने कहा कि आम जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि कोई भी फरियादी निराश होकर तहसील कार्यालय से वापस नहीं जाएगा। लंबित मामलों की समीक्षा कर उन्हें शीघ्रता से निपटाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि विशेष रूप से किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाएगा, ताकि उन्हें समय पर राहत मिल सके। तहसीलदार शैल कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसी भी शिकायत को अनदेखा न किया जाए और सभी प्रकरणों का निष्पक्षता से समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनता से भी अपील की कि वे अपनी समस्याएं और शिकायतें बेहिचक तहसील कार्यालय में दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे, इसके लिए विशेष निगरानी की जाएगी। भ्रष्टाचार और लापरवाही को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यालय में अनुशासन और समयबद्धता बनाए रखने पर जोर दिया गया।

महिला के साथ हुई टप्पे बाजी ई रिक्शा चालक ले भागा बैग

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। जनपद के बिंदकी थाना कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत ललौली चौराहे के समीप एक ई रिक्शा में बैठी महिला का दूसरे अज्ञात ई रिक्शा चालक ने बैग खींचा और फरार हो गया महिला ने काफी खोजबीन की परंतु सफलता हासिल नहीं हुई लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए थाना क्षेत्र के तेदुली गांव की निवासिनी निधी त्रिवेदी अपने निजी काम से जा रही थी तभी कुंवरपुर रोड के समीप स्थापित आर्य समाज भवन के सामने अज्ञात ई रिक्शा चालक ने दूसरे ई रिक्शा में बैठी महिला निधी त्रिवेदी के हाथ से बैग खींचा और फरार हो गया पीड़िता ने बताया कि उसकी बैग में दो जोड़ी पायल बिछिया तथा 700 रुपए नगदी भी थे स्थानीय पुलिस प्रशासन ने खोजबीन प्रारंभ की वहीं आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे भी खगांले गए थाना कोतवाली प्रभारी ने बताया कि खोजबीन प्रारंभ है ई रिक्शा चालक की पहचान व तलाश की जा रही है

अज्ञात चोरों ने घर में घुसकर नगदी समेत लाखों का लगाया चूना

अमन लेखनी समाचार

फतेहपुर। जनपद के कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव मुरादीपुर में अज्ञात चोरों ने एक घटना को अंजाम देते हुए सोने चांदी के जेवरात समेत नगदी आदि लाखों का चूना लगाया गृह स्वामी पीड़ित अमर सिंह पटेल ने नजदीकी थाना कल्याणपुर में लिखित प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि चोरों ने घटना को अंजाम मकान के पीछे खेत के रास्ते से घर के अंदर कूदकर दिया जहां मकान के अंदर बने कमरों का ताला तोड़ा गया तथा कमरे में रखी अलमारी का लाकर तोड़ अलमारी में रखें सोने चांदी के जेवर तथा 20000 रुपए नगद पार कर दिया सुबह जैसे ही घर के परिजनों की नींद खुली तो देखा कमरे में समान इधर-उधर पड़ा था पास में जाकर देखा गया तो पूरी जेवरात गायब थी घटना की जानकारी पुलिस प्रशासन को दी गई जहां कल्याणपुर थाना प्रभारी तुषार श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन ने मौके पर जाकर तहकीकात की है वही चोरी का मामला संदिग्ध दिखाई दे रहा है परंतु पीड़ित द्वारा दी गई लिखित तहरीर के आधार पर जांच की जा रही हैं जल्द ही खुलासा होने की संभावना है

हाथ में पोस्टर लेकर बच्चे थाने पहुंचे

थानेदार से बोले- नशे के कारोबार पर रोक लगाइए, पुलिस ने छापा मारा

अमन लेखनी समाचार

मेरठ ,कस्बे के मोहल्ला खेवान में बढ़ती नशाखोरी को लेकर बच्चे, युवा और महिलाएं सड़क पर उतर आए। गुरु रविदास नवयुवक संघ के नेतृत्व में लोगों ने नशे के खिलाफ प्रदर्शन किया। हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर नारेबाजी करते हुए सभी थाने पहुंचे और पुलिस से नशीले पदार्थों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान बच्चों के हाथों में 'हमारा भविष्य बचाइए' और 'नशे पर रोक लगाइए' जैसे संदेश लिखे पोस्टर थे। बच्चों ने कहा कि नशे के बढ़ते कारोबार से उनके आसपास का माहौल प्रभावित हो रहा है और इससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों ने लोगों से भी नशे से दूर रहने की अपील की।

शिकायत के बाद भी कार्रवाई न होने का आरोप

प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मोहल्ले में लंबे समय से नशीले पदार्थों की बिक्री हो रही है। इस संबंध में कई बार शिकायत की गई, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ। उन्होंने पुलिस से नशे का कारोबार करने वालों को चिह्नित कर सख्त कार्रवाई करने की मांग की। थाने पहुंचकर प्रदर्शनकारियों ने प्रभारी निरीक्षक दिनेश प्रताप सिंह को शिकायती पत्र सौंपा। उन्होंने मामले की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। कस्बा चौकी प्रभारी राहुल कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने दबिश दी थी, लेकिन मौके से कोई साक्ष्य नहीं मिला। पुलिस लगातार नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। साक्ष्य मिलने पर संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन में रजनीश, अमित, मोहित, मोनू, सोनू, रोहन और रामपाल सहित बच्चे, युवा व महिलाएं शामिल रहे।

विभागीय लापरवाही के चलते बिंदकी अधिशासी अभियंता को किया गया निलंबित

फोन नहीं हुआ रिसीव प्रबंध निदेशक ने किया कार्यवाही

अमन लेखनी समाचार

बिंदकी, फतेहपुर। बिजली विभाग में निरंतर हो रहे भ्रष्टाचार क्षेत्रीय किसानों की शिकायतें तथा विभागीय लापरवाही की समस्याओं को देखते हुए लापरवाह अधिशासी अभियंता पंकज बिहाडी को प्रबंध निदेशक संदीप कुमार द्वारा निलंबित कर दिया गया वही मिली जानकारी के अनुसार जनपद के अधीक्षण अधिकारी द्वारा ग्रुप कॉल मीटिंग करने के बाद भी अधिशासी अभियंता ने ग्रुप ज्वाइन नहीं किया वहीं लगभग आठ बार अधिशासी अभियंता के व्यक्तिगत नंबर पर उच्च अधिकारी द्वारा फोन किया गया परंतु अधिशासी अभियंता ने अपनी गहरी नींद की चुप्पी नहीं तोड़ी तथा फोन रिसीव नहीं किया विभागीय कार्यो में अनेक लापरवाही तथा खामियों के चलते उच्च अधिकारी ने लापरवाह अधिशासी अभियंता को निलंबित कर दिया।

4साल के बच्चे पर 5-6 कुत्तों ने किया हमला, मौत

घर के बाहर खेलते समय किया हमला, 4 दिन से जारी था उपचार

अमन लेखनी समाचार

गाजियाबाद , मसूरी क्षेत्र के नाहल गांव में स्ट्रीट डॉग के हमले में 4 साल के घायल अमन की दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। घर के बाहर खेल रहे अमन पर 5-6 आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। परिजन उसे डासना अस्पताल से एमएमजी और फिर जीटीबी अस्पताल ले गए, लेकिन सुबह डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घर के बाहर खेलते समय किया हमला

जानकारी के अनुसार, नाहल गांव निवासी अनीस का चार वर्षीय बेटा अमन सुबह करीब 11:30 बजे घर के बाहर खेलने के लिए निकला था। इसी दौरान नोगजा पीर के पास 5-6 आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। कुत्तों के हमले में अमन गंभीर रूप से घायल हो गया। से एमएमजी और फिर दिल्ली के जीटीबी अस्पताल किया गया रेफरघटना के बाद परिजन घायल अमन को उपचार के लिए पहले डासना अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए एमएमजी अस्पताल रेफर कर दिया गया। हालत में सुधार न होने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल भेज दिया, जहां उसका इलाज चल रहा था। परिजन फजर मोहम्मद ने बताया कि कई स्ट्रीट डॉग ने बच्चे को बुरी तरह काटा था। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में इलाज के दौरान सुबह करीब सात बजे डॉक्टरों ने अमन की मौत की सूचना परिजनों को दी।

पोस्टमार्टम के लिए पुलिस टीम दिल्ली रवाना

एसीपी सुनील कुमार भारद्वाज ने बताया कि पुलिस ने आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी कर टीम को दिल्ली रवाना किया है। बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की आवश्यक कार्रवाई की जाएगी इसकी जानकारी शासन को भी दे दी गई है। पुलिस अब बाइक चोरी के मामले में भी दोनों से पूछताछ कर रही है। दो युवकों को मारी थी गोलीपुलिस का कहना है कि बंटी और बबलू पर की रात अपने गांव के दो युवकों को गोली मारकर घायल करने का भी आरोप है। पुलिस दोनों के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जानकारी जुटा रही है और उनसे पूछताछ कर रही है।

महिला डॉक्टर की लाश अपनी ही क्लिनिक में मिली

मेरठ में 7 महीने पहले शादी हुई, पति से झगड़े के बाद मायके में रहती थी

अमन लेखनी समाचार

मेरठ , एक महिला डॉक्टर का शव सुबह उनकी ही क्लिनिक में फंदे से लटका मिला। डॉक्टर के छोटे भाई ने पुलिस को बताया कि दीदी की हत्या की गई है। उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे। वह सुबह 6.15 बजे घर से निकली थीं। मैं किसी काम से क्लिनिक आया तो घटना का पता चला। डॉक्टर खुशहाली इरऋ में कॉन्स्टेबल थीं। दो साल पहले उन्होंने नौकरी छोड़ दी थी। इसके बाद से पल्लवपुरम फेस-2 में आयुवेर्दा एंड नेचुरल सेंटर नाम से क्लिनिक चला रही थीं। 7 महीने पहले खुशहाली की शादी हुई थी। पति से झगड़े के बाद वो मायके में रहने लगी थीं। पुलिस क्लिनिक के सीसीटीवी जुटाकर घटना की जांच में जुटी है।

मेट्रोमोनियल साइट से तय हुई थी महिला डॉक्टर की शादी

आयुर्वेद की डॉ. खुशहाली (26) पल्लवपुरम के सी-54 रायल पार्क एक्सटेंशन की रहने वाली थीं। उनकी शादी टीपीनगर के ईरश गार्डन निवासी मयंक चौधरी से हुई थी। मयंक भी आयुर्वेद का डॉक्टर है। खुशहाली ने सुभारती यूनिवर्सिटी से बैचलर इन नेचुरोपैथी और योग में किया है। खुशहाली के पिता इरऋ में दरोगा हैं। वह इस समय दिल्ली में तैनात हैं। भाई रजत सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रहा है। एक बहन भी है। पुलिस की जांच में सामने आया कि घरवालों ने खुशहाली की शादी मेट्रोमोनियल साइट के जरिए तय की थी।

29 जुलाई की रात पति ने पीटा, बचकर भागी खुशहाली

भाई रजत ने बताया- शादी के कुछ समय बाद ही खुशहाली और मयंक के बीच झगड़ा होने लगा। पति मयंक ने 10 लाख से ज्यादा का लोन खुद पर और बहन के नाम ले रखा था। इसके बाद खुशहाली के नाम और लोन लेने वाला था। बहन जबभी इसका विरोध करती तो मयंक उसकी पिटाई करता था 29 जुलाई की रात मयंक से बहन का झगड़ा हुआ। मयंक ने उसे खूब पीटा था। इसके बाद बहन बचकर भागी और टीपीगनर में बागपत रोड पर पहुंचकर हम लोगों को सूचना दी। रजत ने बताया कि मैं बागपत रोड पर पहुंचा तो बहन कारों के बीच में छिपकर बैठी थी। उसे फिर घर ले आया।

भाई बोला- बहन की हत्या की गई है

रजत ने बताया कि वह सुबह करीब 10.30 बजे किसी काम से बहन की क्लिनिक पहुंचा। वहां देखा कि खुशहाली का शव दुपट्टे के सहारे फंदे से लटका था। उसके दोनों हाथ बंधे हुए थे। हालांकि, क्लिनिक का कोई स्टाफ तब तक नहीं पहुंचा था। मैंने 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पहुंची पुलिस ने बहन का शव उतरवा कर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। रजत ने पल्लवपुरम थाने में बहन के पति मयंक और उसके घरवालों के खिलाफ दहेज हत्या के आरोप में एप्लिकेशन दी है। भाई ने बताया- बहन की हत्या की गई है।

यमुना-हिंडन का जलस्तर बढ़ने का अलर्ट

डूब क्षेत्र में निगरानी बढ़ी, 17 बाढ़ चौकियां बनाई गईं

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,नोएडा में पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश के बीच यमुना और हिंडन नदी का जलस्तर बढ़ने की आशंका को देखते हुए नोएडा के डूब क्षेत्र में अलर्ट जारी किया गया है। जिला प्रशासन, पुलिस और नोएडा प्राधिकरण की टीमें संवेदनशील इलाकों पर लगातार नजर रख रही हैं। प्रशासन की कोशिश है कि इस बार पानी बढ़ने से पहले ही डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया जाए, ताकि 2023 और 2025 जैसी स्थिति दोबारा न बने। नोएडा में यमुना का करीब 5 हजार हेक्टेयर डूब क्षेत्र है। बारिश के दौरान हर साल यहां बाढ़ का खतरा बना रहता है। इसी को देखते हुए कई जगहों पर फार्म हाउस भी ध्वस्त किए गए हैं।

सेक्टर-135 में नर्सरियों में भरा पानी

सेक्टर-135 के नगली बाजिदपुर इलाके में यमुना का असर दिखाई देने लगा है। डूब क्षेत्र में बनी कुछ नर्सरियों में बारिश का पानी भर गया है।

जिला अस्पताल में गार्ड भर रहा था सिरिंज में दवा

नोएडा में गार्ड और नर्स की गई नौकरी, निजी एजेंसी को नोटिस मिला

अमन लेखनी समाचार

नोएडा ,नोएडा के सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में सुरक्षा गार्ड का सिरिंज में दवा भरते वीडियो सामने आया। जिला अस्पताल प्रबंधन ने वीडियो को संज्ञान में लेकर गार्ड और उसके साथ में खड़ी नर्स को नौकरी से निकाल दिया। दोनों एजेंसी के माध्यम से जिला अस्पताल में काम कर रहे थे। जिला अस्पताल का वायरल वीडियो 14 अगस्त की रात का है, जिसमें एक गार्ड सिरिंज में दवा भरते दिख रहा है। बगल में ही एक नर्स भी है। पांचवें तल पर तैनात सुरक्षा गार्ड स्टाफ नर्स के सामने दवा भर रहा है, लेकिन नर्स सिरिंज में दवा भरने से उसे मना नहीं कर रही। इस दिन मेडिकल वार्ड में भर्ती मरीजों की देखभाल के लिए स्टाफ नर्स रिचा कुमारी और सुरक्षा व्यवस्था के लिए गार्ड सुनील की ड्यूटी लगी थी।

आरोप है कि स्टाफ नर्स ने गार्ड सुनील को मरीजों को इंजेक्शन लगाने के लिए कई खाली सिरिंज देकर भरने के लिए कहा। गार्ड पांचवें तल के नर्सिंग स्टेशन पर ही बैठ कर दवा भरने लगा। वीडियो में साफ है कि सिरिंज में दवा भरते और दवा भरी हुई कई सिरिंज दिख रही है। सीएम तक किया टैगइस वीडियो को प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, जिलाधिकारी, मुख्यमंत्री कार्यालय और महानिदेशक स्वास्थ्य विभाग को टैग किया गया। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अशोक कुमार झा ने वीडियो का संज्ञान लेकर दोनों को नौकरी से निकाल दिया।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार

बाइक से जा रहे थे, पुलिस के रोकने पर फायरिंग की, जवाबी कार्रवाई में पैर में लगी गोली

अमन लेखनी समाचार

जेवर , ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा में रात कार्गो टी-पॉइंट पर चेकिंग के दौरान पुलिस और बाइक सवार दो बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के रोकने पर बदमाशों ने भागने की कोशिश की ।बाइक गिरने के बाद एक बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। वहीं, पुलिस ने कॉम्बिंग के दौरान उसके साथी को भी गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से 2 तमंचे, कारतूस और चोरी की यामाहा फ-15 बाइक मिली है। पुलिस के मुताबिक, रात करीब 12 बजे कार्गो टी-पॉइंट पर संदिग्ध वाहनों की चेकिंग चल रही थी। इसी दौरान बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों बाइक मोड़कर भागने लगे। कुछ दूर जाकर बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। इसके बाद पीछे बैठे बदमाश ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। इसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगी। उसकी पहचान मुरादगढ़ी निवासी बंटी उर्फ मलिंगा (34) के रूप में हुई है। उसके पास से .315 बोर का तमंचा, एक खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पुलिस ने घायल बंटी को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आसपास के इलाके में कॉम्बिंग की। इस दौरान बंटी का साथी बबलू (32) भी पकड़ा गया।

डायरिया से डरने नहीं सतर्क रहने की जरूरत : ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल

डायरिया नियंत्रण व रोकथाम के लिए विशेष अभियान का शुभारम्भ

एम्स के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने प्रचार वाहन को दिखाई हरी झंडी

जागरूकता अभियान में सहयोग कर रहीं पीएसआई इंडिया व केनव्यू

अमन लेखनी समाचार

पटना, 19 अगस्त। शून्य से पांच वर्ष तक के बच्चों को डायरिया से पूरी तरह सुरक्षित बनाने और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से प्रदेश में डायरिया रोकने हेतु जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । इसी के तहत मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) पटना से एम्स के अधिशाषी निदेशक (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर) प्रोफेसर ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल ने मिड मीडिया कैम्पेन का विधिवत शुभारम्भ किया। जागरूकता अभियान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू संपोषित ह्लडायरिया से डर नहींह्व कार्यक्रम के माध्यम से सहयोग प्रदान कर रहीं हैं। इस मौके पर ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल, पीएसआई इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा, डायरेक्टर प्रोग्राम्स हितेश साहनी व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने डायरिया से बचाव, कारण, उपचार और रोकथाम सम्बन्धी संदेशों वाले पोस्टर-बैनर और ऑडियो/वीडियो से सुसज्जित प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहन राजधानी पटना के विभिन्न क्षेत्रों में समुदाय में डायरिया के प्रति जन जागरूकता लाएंगे। इस मौके पर ब्रिगेडियर डॉ. राजू अग्रवाल ने कहा कि डायरिया से डरने नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि इसका उपचार पूरी तरह संभव है। बच्चे को दिन में दो-तीन बार पतली दस्त हो तो ओआरएस का घोल और जिंक जरूर दें, क्योंकि यही इसका सही उपचार है। पीएसआई इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मुकेश कुमार शर्मा ने कहा कि बारिश और उमस में बच्चा डायरिया की चपेट में कई कारणों से आ सकता है, जैसे- दूषित जल पीने से, दूषित हाथों से भोजन बनाने या बच्चे को खाना खिलाने, बच्चों के मल का ठीक से निस्तारण न करने आदि से। इसलिए शौच और बच्चों का मल साफ करने के बाद, भोजन बनाने और खिलाने से पहले हाथों को साबुन-पानी से अच्छी तरह अवश्य धुलें। पीएसआई इंडिया के डायरेक्टर प्रोग्राम्स हितेश साहनी ने कहा कि डायरिया के प्रति समुदाय स्तर पर जागरूकता बढ़ाने और ओआरएस व जिंक की महत्ता को भलीभांति समझाने के लिए ही पूरे प्रदेश में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य बच्चों में डायरिया की रोकथाम, ओआरएस व जिंक के उपयोग को प्रोत्साहन और जनसामान्य में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना है। फ्रंटलाइन वर्कर्स माताओं और परिवार वालों को यह भली भांति बताएं कि ओआरएस का घोल और जिंक बच्चे को सिर्फ डायरिया से ही नहीं बचाता बल्कि उनकी जान को भी जोखिम में जाने से बचाता है। ह्लडायरिया से डर नहींह्व कार्यक्रम के बारे में केनव्यू इंडिया के बिजनेस यूनिट हेड-सेल्फ केयर प्रशांत शिंदे का कहना है कि बच्चों को डायरिया से सुरक्षित बनाकर उन्हें सेहतमंद बनाने की हरसंभव कोशिश जारी है। इसके लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के बताये अनुसार ओआरएस सॉल्यूशन की पहुँच को बेहतर बनाना, परिवारों को इस बारे में जागरूक बनाना, फ्रंटलाइन वर्कर्स के अभिमुखीकरण और सेहत को लेकर जरूरी व्यवहार परिवर्तन को अपनाना जरूरी है। 'डायरिया से डर नहीं' पहल के जरिए, केनव्यू पीएसआई इंडिया के साथ मिलकर सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं में अहम योगदान दे रहा है। इससे बच्चों की देखभाल करने वाले न सिर्फ.ओआरएस और जिंक की अहमियत को समझ रहे हैं, बल्कि डायरिया होने पर तुरंत इसे अपनाने के लिए भी तैयार हो रहे हैं। हम बच्चों की रोकी जा सकने वाली बीमारियों और मौतों को कम करने की सरकार की कोशिशों में अपना सहयोग जारी रखने का वादा करते हैं। इसके लिए जागरूकता को प्राथमिकता देने के साथ ही कम्युनिटी हेल्थ सिस्टम को मजबूत बनाएँगे और जहाँ सबसे ज्यादा जरूरत है, वहाँ जीवन बचाने वाले उपायों तक पहुँच बेहतर बनाएंगे। इस मौके पर बिहार पीएसआई इंडिया राज्य प्रतिनिधि सौरव तिवारी, सीनियर मैनेजर प्रोग्राम अनिल द्विवेदी एवं पीएसआई इंडिया टीम से लोग उपस्थित रहे।

नागपंचमी पर बीजपुर में गूंजा खेलों का रोमांच, रिहंद नगर बॉयज ने जीता कबड्डी का खिताब

कुश्ती में गांधी धाम के सोनू ने मारी बाजी, स्थानीय प्रतिभाओं को मंच देने की पहल ।।

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) नागपंचमी के पावन अवसर पर समृद्धि जन कल्याण संस्थान के तत्वावधान में बीजपुर ग्राम पंचायत के शांतिनगर में कबड्डी एवं कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। खेल प्रतियोगिताओं में क्षेत्र की विभिन्न टीमों एवं खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। देर तक चले रोमांचक मुकाबलों को देखने के लिए आसपास के ग्रामीणों की भी भीड़ जुटी रही। प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि बीजपुर थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने फीता काटकर तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन के अवसर पर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्होंने खेल को अनुशासन, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का माध्यम बताया। कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने दमखम और शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला रिहंद नगर बॉयज टीम और पुनर्वास-1 टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने जीत के लिए जोरदार संघर्ष किया, लेकिन रिहंद नगर बॉयज ने बेहतरीन तालमेल और शानदार प्रदर्शन के दम पर पुनर्वास-1 को पराजित कर कबड्डी प्रतियोगिता का विजेता खिताब अपने नाम कर लिया। वहीं कुश्ती प्रतियोगिता में भी पहलवानों ने अपने दांव-पेंच से दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। प्रतियोगिता में गांधी धाम के सोनू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। उनके बेहतरीन प्रदर्शन की उपस्थित लोगों ने जमकर सराहना किया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में शनि, ओमप्रकाश, सुमित एवं राहुल यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं रेफरी के रूप में रामदास ने अपनी जिम्मेदारी निभाई और मुकाबलों को निष्पक्ष एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया। मुख्य अतिथि थानाध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के खेल आयोजनों से स्थानीय एवं उभरती प्रतिभाओं को अपनी क्षमता दिखाने का बेहतर मंच मिलता है। खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और आपसी भाईचारे की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सदस्यों एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर सिद्धार्थ गुप्ता, केपी सोनकर, रंजीत चौधरी, मनीष यादव, जय सिंह, अमित गुप्ता एवं वाजिद अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं खेल प्रेमी मौजूद रहे।

खास समाचार

मंदिर से डाक कांवड़ लेकर दुरखुरू पहुंचे शिवभक्त

गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

अमन लेखनी समाचार

गरौठा, झांसी। सावन माह के पावन अवसर पर ग्राम दुरखुरू में भक्ति और आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। रतनगढ़ माता मंदिर से बड़ी संख्या में शिवभक्त डाक कांवड़ लेकर गांव पहुंचे। गांव पहुंचते ही भक्तों ने शिव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान भोलेनाथ का पवित्र जल से जलाभिषेक किया। डाक कांवड़ यात्रा के दौरान शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था। हाथों में कांवड़ और जुबां पर ह्यहर-हर महादेवह्ल व ह्यबम-बम भोलेह्ल के जयकारों के साथ भक्त पूरे उत्साह से आगे बढ़ते रहे। जयकारों से पूरा मार्ग गूंज उठा और क्षेत्र का वातावरण पूरी तरह शिवमय हो गया। इस दौरान धर्मेंद्र सिंह बुंदेला, गणेश सिंह बुंदेला, राहुल परिहार, मोहर सिंह यादव, गोल्डी बुंदेला, मुलायम सेन, सौरभ पाठक और रमेश यादव सहित बड़ी संख्या में शिवभक्त मौजूद रहे।

टोला तिराहे पर कांवड़ियों का जोरदार स्वागत, डॉ. रणजीत सिंह ने बांटे फल

अमन लेखनी समाचार

गरौठा (झांसी)। सावन माह में बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारों से क्षेत्र भक्तिमय बना हुआ है। इसी क्रम में ओरछा धाम से पवित्र जल लेकर अपने गांव रमपुरा लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों का गरौठा-मऊरानीपुर मार्ग स्थित टोला तिराहे पर जोरदार स्वागत किया गया। रमपुरा गांव के कांवड़िए ओरछा धाम से भगवान शिव के जलाभिषेक के लिए कांवड़ में पवित्र जल लेकर पैदल लौट रहे थे। टोला तिराहे पर पहुंचने पर लोगों ने उनका स्वागत किया और जयकारे लगाए। भीषण गर्मी को देखते हुए भीम आर्मी के युवा जिला अध्यक्ष डॉ. रणजीत सिंह ने कांवड़ियों की सेवा करते हुए उन्हें ताजे फल, ठंडा पानी एवं जलपान वितरित किया। उन्होंने कहा कि शिवभक्तों की सेवा करना साक्षात भगवान शिव की आराधना करने के समान है। सेवा से प्रसन्न कांवड़ियों ने डॉ. रणजीत सिंह का आभार जताया।

अनियंत्रित होकर बाइक से गिरा युवक

अमन लेखनी समाचार

बीजपुर (सोनभद्र) स्थानीय थाना क्षेत्र के नेमना के पास रविवार को अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल से गिरने से एक युवक घायल हो गया। हादसे में घायल युवक को उपचार के लिए एनटीपीसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। जानकारी के अनुसार, राम प्रकाश पुत्र परमेश्वर, निवासी ग्राम महुली, थाना बीजपुर, जनपद सोनभद्र, सोमवार को अपनी मोटरसाइकिल से कहीं जा रहे थे। इसी दौरान नेमना के पास अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़े। दुर्घटना में उन्हें चोटें आईं। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल राम प्रकाश को उपचार के लिए एनटीपीसी के धन्वंतरि चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही उनके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। पुलिस के अनुसार घटना में घायल युवक का उपचार कराया जा रहा है।

गरौठा में विद्यार्थियों ने लिया नशामुक्त जीवन का संकल्प

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा गुरसराय द्वारा विद्यालयों में चलाया गया अभियान

अमन लेखनी समाचार

गरौठा। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय शाखा गुरसराय द्वारा चलाए जा रहे 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के तहत तहसील गरौठा के विभिन्न विद्यालयों में नशा मुक्ति एवं नैतिक शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अखंडानंद जनता इंटर कॉलेज, जय हिंद मिशन इंटर कॉलेज एवं गरौठा कन्या इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए नशामुक्त जीवन जीने का संकल्प दिलाया गया। कार्यक्रम में नशे से होने वाली शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानियों के साथ नैतिक शिक्षा और जीवन मूल्यों के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। गुरसराय केंद्र प्रभारी राजयोगिनी बीके कविता दीदी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि परिवार, शिक्षा, संस्कार और समाज पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहकर सकारात्मक सोच, अनुशासन एवं श्रेष्ठ संस्कार अपनाने का आह्वान किया। बीके कल्याणी दीदी ने संस्था के आध्यात्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि संस्था लंबे समय से समाज को नशामुक्त, तनावमुक्त एवं मूल्यनिष्ठ बनाने के लिए जागरूकता अभियान चला रही है। कार्यक्रम में अशोक तिवारी, ममता तिवारी, मोहिनी गुप्ता, रुद्र प्रताप विद्यालय के प्रधानाचार्य आशुतोष तिवारी, राममिलन त्रिपाठी, सनी सोनी सहित विद्यालयों के शिक्षक एवं स्टाफ मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने अभियान की सराहना करते हुए विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने के लिए प्रेरित किया।

कांवड़ यात्रा को लेकर जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने शिवद्वार धाम में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

दूर-दराज से उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, ह्यहर-हर महादेवह्ल और ह्यबोल बमह्ल के जयघोष से गूंजा प्राचीन शिवद्वार धाम

सुरक्षा, यातायात एवं भीड़ प्रबंधन पर विशेष नजर, श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं सुगम दर्शन के निर्देश।

हर-हर महादेव के जयघोष से भक्तिमय हुआ शिवद्वार धाम।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। पावन श्रावण मास में प्राचीन शिवद्वार धाम में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कांवड़ यात्री बाबा भोलेनाथ के दर्शन- पूजन एवं जलाभिषेक के लिए शिवद्वार धाम पहुंच रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला प्रशासन सुरक्षा, यातायात एवं अन्य व्यवस्थाओं को लेकर पूरी तरह सतर्क है। कांवड़ यात्रा एवं श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत जिलाधिकारी चर्चित गौड़ एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने शिवद्वार मंदिर एवं आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, यातायात संचालन, भीड़ प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल सहित श्रद्धालुओं के सुगम एवं व्यवस्थित दर्शन के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। मंदिर परिसर एवं प्रमुख मार्गों पर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखी जाएं तथा भीड़ की स्थिति पर लगातार निगरानी रखते हुए श्रद्धालुओं का सुरक्षित, सुगम एवं व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने साफ- सफाई एवं यातायात व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए। पावन श्रावण मास में प्राचीन शिवद्वार धाम का वातावरण पूरी तरह शिवमय नजर आया। बड़ी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं एवं कांवड़ यात्रियों ने भगवान शिव के दर्शन-पूजन कर पवित्र जल से बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक किया तथा सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की। हाथों में कांवड़, मन में अटूट श्रद्धा और मुख पर ह्यहर-हर महादेवह्ल एवं ह्यबोल बमह्ल के जयघोष के बीच पूरा शिवद्वार धाम आस्था, भक्ति और उल्लास के रंग में रंगा दिखाई दिया। श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए प्रशासनिक एवं पुलिस टीमें लगातार मुस्तैद है। जिलाधिकारी ने कहा कि कांवड़ यात्रियों एवं श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा और सुगम दर्शन जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करते हुए पूरी संवेदनशीलता एवं तत्परता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन आज चारों तहसीलों में हुआ

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र।शासन की मन्शा के अनुरूप जिले की चारों तहसीलों में अगस्त महीने के तृतीय शनिवार को स्वंत्रता दिवस होने के वजह से आयोजित न होकर सोमवार को ह्यह्यसम्पूर्ण समाधान दिवसह्यह्य का आयोजन किया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस के मौके पर तहसील रावर्टसगंज में उप जिलाधिकारी आशीष कुमार त्रिपाठी आदि ने 24 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 04 मामलें निस्तारित किये गये। इस प्रकार तहसील दिवस रावर्टसगंज में कुल 04 मामले निस्तारित हुए, बाकी 20 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये। इस मौके पर तहसीलदार रावर्टसगंज, नायब तहसीलदार सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहें।

02- सम्पूर्ण समाधान दिवस ओबरा में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में आये शिकायतकताओं की शिकायतों का निस्तारण किया गया, इस दौरान क्षेत्रों में भी टीम भेजकर प्रकरणों का निस्तारण कराया गया और सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये। अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस मौके तहसीलदार ओबरा आदि ने 22 शिकायतें सुनते हुए, मौके पर ही 03 मामलें निस्तारित किये गये, इस प्रकार तहसील दिवस ओबरा में कुल 03 मामले निस्तारित हुए, बाकी 19 प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करने के निर्देश सम्बन्धित को दिये गये।

03- सम्पूर्ण समाधान दिवस घोरावल का आयोजन उप जिलाधिकारी घोरावल विशाल कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ, इस मौके पर तहसील में शिकायतकर्ता के माध्यम से प्राप्त प्रार्थना-पत्रों का निस्तारण किया गया, इस दौरान उप जिलाधिकारी घोरावल ने प्रकरणों का निस्तारण कराते हुए सम्बन्धित को निर्देशित भी किया गया कि इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये, अवशेष मामलों को गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

लखनऊ से हेरोइन की तस्करी कर सोनभद्र में सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

ऑपरेशन शुद्धि के तहत सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 6 तस्कर गिरफ्तार।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ सोनभद्र पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ह्लऑपरेशन शुद्धिह्व अभियान के तहत थाना चोपन पुलिस, चौकी डाला पुलिस और एसओजी टीम को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने लखनऊ से हेरोइन की तस्करी कर सोनभद्र के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 6 शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से 1 किलो 204 ग्राम अवैध हेरोइन, छह मोबाइल फोन और 1,550 रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा तस्करी में प्रयुक्त थार और क्रेटा वाहन भी सीज किए गए हैं। पुलिस के अनुसार बरामद हेरोइन की अनुमानित कीमत 2 करोड़ 40 लाख 80 हजार रुपये, जबकि दोनों वाहनों की कीमत करीब 34 लाख रुपये है। इस तरह बरामदगी की कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 करोड़ 75 लाख रुपये बताई गई है। बसकटवा रेलवे ब्रिज के पास घेराबंदी कर पकड़े गए तस्कर पुलिस के अनुसार, मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए एसओजी टीम कई दिनों से पतारसी और सुरागरसी में लगी थी। इसी क्रम में 17 अगस्त 2026 को बसकटवा रेलवे ब्रिज के पास थाना चोपन पुलिस, चौकी डाला पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम संदिग्ध वाहनों एवं व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि रॉबर्ट्सगंज की ओर से दो वाहनों में हेरोइन तस्कर अवैध मादक पदार्थ लेकर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने घेराबंदी की। कुछ देर बाद क्रेटा वाहन संख्या वढ-65-ऊख-3354 के पीछे थार वाहन संख्या वढ-16-उख-4450 आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने दोनों वाहनों को रोककर सवार लोगों की पूछताछ और नियमानुसार तलाशी ली। तलाशी के दौरान थार से 696 ग्राम और क्रेटा से 508 ग्राम, कुल 1 किलो 204 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। साथ ही छह मोबाइल फोन और 1,550 रुपये नकद भी बरामद किए गए। कार्रवाई के दौरान छह आरोपियों को करीब सुबह 4 बजे गिरफ्तार किया गया। दोनों वाहनों के वैध अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर उन्हें धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर दिया गया अनपरा और ओबरा में होनी थी हेरोइन की सप्लाई पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वे आपस में पैसा लगाकर लखनऊ से हेरोइन खरीदते थे और सोनभद्र के अलग-अलग क्षेत्रों में फुटकर बिक्री करवाते थे। बिक्री से प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लिया जाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि बरामद हेरोइन को अनपरा और ओबरा क्षेत्र में फुटकर रूप से बेचने की योजना थी। पुलिस के मुताबिक पूछताछ के दौरान तस्करी नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों के बारे में भी जानकारी मिली है। इनके संबंध में पुलिस द्वारा जांच और आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। पूछताछ में सामने आए एक अन्य आरोपी दीपक साहू को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार दीपक अनपरा क्षेत्र में हेरोइन की फुटकर बिक्री करता था। गिरफ्तार आरोपियों में कई का आपराधिक इतिहास पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पहले से ही मादक पदार्थों और अन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं। सुधीर कुमार उर्फ छोटू के खिलाफ थाना चोपन और थाना पिपरी में एनडीपीएस एक्ट के तहत चार मुकदमे दर्ज बताए गए हैं।

राशन कोटेदारों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दी बड़ी सौगात, लाभांश रूपाया 90 से बढ़ाकर रूपाया 125 प्रति कुंतल

प्रदेश के 78 हजार राशन कोटेदार होंगे लाभान्वित, सोनभद्र के 786 कोटेदारों को मिलेगा बढ़े लाभांश का लाभ

जनपद की चारों विधानसभा क्षेत्रों में हुआ मुख्यमंत्री के संबोधन एवं कार्यक्रम का सजीव प्रसारण।

कलेक्ट्रेट सभागार में कोटेदारों ने सुना मुख्यमंत्री का संबोधन।

अमन लेखनी समाचार

सोनभद्र। प्रदेश के राशन कोटेदारों को आर्थिक रूप से और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने बड़ी सौगात देते हुए उनके लाभांश को रूपाया 90 प्रति कुंतल से बढ़ाकर रूपाया 125 प्रति कुंतल कर दिया है। इस निर्णय से प्रदेश के लगभग 78 हजार राशन कोटेदारों को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री जी द्वारा लाभांश वृद्धि की घोषणा के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम एवं उनके संबोधन का सजीव प्रसारण जनपद सोनभद्र की चारों विधानसभा क्षेत्रोंकृरॉबर्ट्सगंज, ओबरा, दुद्धी एवं घोरावलकृमें किया गया। संबंधित सभागारों में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं राशन कोटेदारों ने मुख्यमंत्री जी के संबोधन को सुना। कलेक्ट्रेट सभागार, रॉबर्ट्सगंज में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती रूबी प्रसाद एवं भाजपा जिलाध्यक्ष नंदलाल गुप्ता सहित संबंधित विभागीय अधिकारी एवं बड़ी संख्या में राशन कोटेदार उपस्थित रहे। इसी प्रकार अन्य विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों में भी जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण एवं राशन कोटेदारों ने सहभागिता की। लाभांश में की गई इस वृद्धि का लाभ जनपद सोनभद्र के 786 राशन कोटेदारों को भी मिलेगा। अब प्रति कुंतल राशन वितरण पर मिलने वाला लाभांश 90 के स्थान पर 125 होगा, जिससे कोटेदारों की आय में वृद्धि होने के साथ सार्वजनिक वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं सुदृढ़ बनाने में मदद मिलेगी।

महराजगंज में कबड्डी को मिली बड़ी उड़ान, विवेक वर्मा यूपी एसोसिएशन के बने संयुक्त सचिव

अमन लेखनी समाचार

महराजगंज जनपद में नवजीवन कबड्डी अकादमी, के खिलाड़ी एवं जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव विवेक वर्मा को उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन का संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। प्रदेश संगठन में मिली इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से महराजगंज के कबड्डी जगत में खुशी की लहर है। उत्तर प्रदेश कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं अयोध्या के पूर्व सांसद के पुत्र विकास सिंह ने विवेक वर्मा को यह जिम्मेदारी सौंपी है। विवेक वर्मा लंबे समय से कबड्डी खेल के विकास के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। खिलाड़ी के रूप में मैदान पर अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ ही उन्होंने महराजगंज में कबड्डी को बढ़ावा देने और स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किया है। उनके प्रदेश स्तरीय संगठन में शामिल होने से जिले के खिलाड़ियों को नई उम्मीद जगी है। जिला कबड्डी एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि विवेक वर्मा के अनुभव, सक्रियता और खेल के प्रति समर्पण से उत्तर प्रदेश में कबड्डी संगठन को नई दिशा और गति मिलेगी। साथ ही महराजगंज की प्रतिभाओं को प्रदेश एवं राष्ट्रीय स्तर पर मंच दिलाने में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

अमन लेखनी
(हिन्दी दैनिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती अखिलेश सिंह द्वारा अवध एक्सप्रेस प्रकाशन, 434, सिविल लाइन, जेल रोड, उन्नाव, उत्तर प्रदेश से मुद्रित और ग्राम व पोस्ट-बनी, थाना- बन्थरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।

सम्पादक-
श्रीमती अखिलेश सिंह

समाचार सम्पादक -
रुद्र प्रताप सिंह

समाचार से संबंधित सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र लखनऊ होगा।

मो. - 9838159555, 9935457982

E-mail address amanlekhaninews @gmail.com

हमारे आस-पास ऐसे भी लोग होते हैं, जो कुछ भी ऐसा बोल जाते हैं, जो तल्ख या कटाक्ष भरा होता है। इससे दिल को ठेस लगती है। इस कारण हम बहुत समय तक मेंटली डिस्टर्ब रहते हैं। यह हमारे मेंटल ही नहीं फिजिकल हेल्थ के लिए भी सही नहीं है। इसलिए लोगों की बातों को हमें इस तरह दिल पर नहीं लेना चाहिए। हमेशा मेंटली और इमोशनली स्ट्रॉन्ग रहना चाहिए।

दूसरों की बातों को ना लें दिल पर बनें मेंटली-इमोशनली स्ट्रॉन्ग

कवर स्टोरी

डॉ. आरती आनंद
क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट
सर गंगाराम अस्पताल, दिल्ली

यदि हमारी जीवनशैली तनावमुक्त हो, तो यह किसी वरदान से कम नहीं है, लेकिन अकसर ही हम छोटी-छोटी बातों को भी दिल से लगा लेते हैं। किसी की आलोचना, कटु शब्द या नकारात्मक व्यवहार हमें भीतर तक कचोट जाता है। फिर हम उसी घटना के बारे में लगातार सोचते रहते हैं। यही ओवरथिंकिंग धीरे-धीरे हमारा मानसिक संतुलन बिगाड़ देती है। परिणाम यह होता है, हमारी सोच नेगेटिव होने लगती है, जो हमारी मेंटल हेल्थ के लिए सही नहीं है।

नेगेटिव सोच का हेल्थ पर बुरा असर

जब मन नेगेटिव सोच से भरा रहता है, तो इसका असर हमारे पूरे जीवन पर पड़ता है। रातों की नींद उड़ जाती है, मन हर समय चिंता में डूबा रहता है, एक बेचैनी रहती है। घर का माहौल भी तनावपूर्ण हो जाता है। रिश्तों में भी खटास आने लगती है। लंबे समय तक ऐसी स्थिति बनी रहने से इसका प्रभाव केवल मन पर ही नहीं, शरीर पर भी पड़ने लगता है। सिरदर्द, थकान, उच्च रक्तचाप और कई अन्य शारीरिक समस्याएं जन्म लेने लगती हैं। इसलिए हमें मेंटली-इमोशनली स्ट्रॉन्ग होना चाहिए। किसी की पैनिक बातों पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए।

इमोशनली कौन होता है स्ट्रॉन्ग

इमोशनली स्ट्रॉन्ग व्यक्ति वह नहीं होता, जो लोगों की बातों को दिल पर ना ले, उसे कभी दुःख न हो या जो लोगों के व्यवहार से व्यथित होकर कभी रोए नहीं। बल्कि वह व्यक्ति इमोशनली स्ट्रॉन्ग होता है, जो हर कठिन परिस्थिति में स्वयं को संभालना जानता है। अपनी भावनाओं और परिस्थितियों को समझता है, उन्हें स्वीकार करता है, परिस्थितियों के अनुसार सही निर्णय लेने का प्रयास करता है।

लोग हमारे हिसाब से व्यवहार नहीं करते

इंसान को यह समझना चाहिए कि जीवन में हर व्यक्ति हमारे हिसाब से पेश नहीं आता। वह अपने हिसाब से बोलता है, व्यवहार करता है, ऐसे लोग हमारे नियंत्रण से बाहर होते हैं। वहीं कुछ लोग हमारे स्वभाव के अनुकूल होते हैं, अच्छे से पेश आते हैं। बुद्धिमानी इसी में है कि जो हमारे अनुकूल हैं, उसे स्वीकार करें, साथ ही जिन्हें हम बदल सकते हैं, उन्हें बदलने का प्रयास करें। यह सोच हमें मानसिक रूप से मजबूत बनाती है, तरह-तरह के लोगों का सामना करने का साहस देती है।

लोग क्यों गलत व्यवहार करते हैं

जो लोग बिना सोचे-समझे गलत-सलत बोलते हैं, गलत व्यवहार करते हैं, इसके पीछे के कारणों को हमें समझना चाहिए। असल में ऐसे लोग यह नहीं

समझते कि उनके व्यवहार का सामने वाले पर क्या प्रभाव पड़ेगा। इस तरह के लोग नकारात्मक सोच रखते हैं, उनमें आत्मविश्वास की कमी होती है।

दूसरों की बातों को महत्व न दें

जब हम दूसरों की किसी बात को दिल से लगा लेते हैं तो उसी के बारे में लगातार सोचते रहते हैं, पूरे दिन मूड खराब रहता है। फिर हम इसके लिए दूसरे व्यक्ति को जिम्मेदार ठहराते हैं, जबकि वास्तविक गलती हमारी होती है, क्योंकि हमने उसकी बातों को सच मान लिया। ऐसा अकसर अपने भीतर आत्मविश्वास की कमी के कारण होता है। इसलिए दूसरों की बातों को आवश्यकता से अधिक महत्व ना दें।

अपने काम पर रहें केंद्रित

घर-परिवार या कार्यालय में जो कुछ भी हो रहा हो, उसे हर बार व्यक्तिगत रूप से ना लें। अपने मन को शांत रखें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित करें। चाहे सामने वाला आपका बॉस हो या परिवार का कोई सदस्य, अपनी बात हमेशा शांत, संयमित और प्रेम पूर्वक सलीके से रखें। यह ध्यान रखें कि आपकी बात से सामने वाले को ठेस न पहुंचे।

तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें

यदि कोई ऐसी बात आपके सामने आती है, जिससे आपको गुस्सा या दुःख महसूस हो तो तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। पहले अपने मन को शांत करें, परिस्थिति पर विचार करें फिर अपनी बात सहजता और पूरी विनम्रता से व्यक्ति के सामने रखें।

अपनी दिनचर्या को रखें व्यवस्थित

अपने बारे में कभी भी नेगेटिव बातें ना सोचें। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए नियमित रूप से योग या व्यायाम करें। पर्याप्त नींद लें और संतुलित भोजन करें। एक व्यवस्थित दिनचर्या अपनाएं, क्योंकि स्वस्थ दिनचर्या भावनाओं को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही उन लोगों के साथ समय बिताएं, जो आपसे प्रेम करते हैं, आपका सम्मान करते हैं, जिनके साथ रहकर आपको खुशी महसूस होती है, पॉजिटिव एनर्जी मिलती है। a

प्रस्तुतिः संध्या रानी

दरअसल, बचपन से वे अपने परिवार और माता-पिता के व्यवहार को देखकर यही सीखे होते हैं। इसलिए उन्हें लगता है कि यदि वे तुरंत कुछ नहीं बोलेंगे तो लोग उन्हें कमजोर समझेंगे। इसलिए वे कुछ भी उल्टा-सीधा बोल देते हैं।

कैसे करें अपने आपको कंट्रोल

किसी को भी दूसरों के साथ इस तरह का गलत व्यवहार नहीं करना चाहिए कि वह हर्ट फील करें, अपमानित महसूस करे या गुस्सा आए। जब भी आपको इस तरह की किसी बात पर गुस्सा आए तो अपने आपको नियंत्रित करने की कोशिश करें। किसी भी बात को व्यक्तिगत रूप से न लें। अपने मन को शांत रखें, दो मिनट रुकें और फिर सामने वाले को शांत मन से प्रेम पूर्वक जवाब दें। जहां तक संभव हो, तुरंत प्रतिक्रिया देने से बचें। अक्सर हम गलत ढंग से तब ही प्रतिक्रिया देते हैं, जब हमारे मन में किसी व्यक्ति के प्रति पहले से नकारात्मक भाव भरे होते हैं। इसलिए मन में नकारात्मकता को स्थान न दें, हमेशा सकारात्मक सोच रखें। धैर्य से काम लें, संयमित व्यवहार करें।

काउंसलिंग कराना भी है फायदेमंद

यदि किसी व्यक्ति का व्यवहार सही नहीं रहता है, वह बार-बार आपको परेशान कर रहा है, तो सबसे पहले उसे शांत और प्रेम पूर्वक समझाने की कोशिश करें। यदि इसके बाद भी उसके व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आता, तो उसे काउंसलिंग लेने की सलाह दें। अकसर लोग 'काउंसलिंग' शब्द सुनते ही घबरा जाते हैं, जबकि इसमें डरने जैसी कोई बात नहीं है। काउंसलिंग व्यक्ति को अपनी भावनाओं, सोच और व्यवहार को बेहतर ढंग से समझने और उनमें सकारात्मक बदलाव लाने में मदद करती है।

नई पीढ़ी के बदलते रिश्ते समझदारी से बढ़ाएं कदम

हाल के वर्षों में युवक-युवतियों के बीच 'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' और 'सिचुएशनशिप' जैसे रिलेशंस काफी देखे जा रहे हैं। ऐसे रिलेशंस कितने स्थायी होते हैं, इनका भविष्य कैसा है, इस बारे में समझना जरूरी है।

नया दौर

स्नेहा सिंह

आज की नई पीढ़ी में स्त्री-पुरुष के रिश्तों की परिभाषा तेजी से बदल रही है। पहले जहां प्रेम, विश्वास और विवाह को किसी भी संबंध का आधार माना जाता था, वहीं अब कुछ नए प्रकार के रिश्ते युवाओं के बीच सामान्य होते जा रहे हैं। इनमें 'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' और 'सिचुएशनशिप' जैसे संबंध प्रमुख हैं। ऐसे रिलेशन में आगे कदम बढ़ाने से पहले इनके बारे में समझना आवश्यक है।

फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स और सिचुएशनशिप

'फ्रेंड्स विद बेनिफिट्स' ऐसे दो दोस्तों का संबंध होता है, जिनके बीच दोस्ती तो होती है, लेकिन प्रेम या भविष्य को लेकर कोई प्रतिबद्धता नहीं होती। वे केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए जुड़ते हैं। दोनों के बीच यह स्पष्ट समझ होती है कि भविष्य में कोई एक-दूसरे पर अधिकार नहीं जताएगा। दूसरी ओर 'सिचुएशनशिप' दोस्ती से एक कदम आगे का रिश्ता माना जाता है। इसमें आकर्षण, रोमांस, साथ समय बिताना, उपहार देना, डिनर पर जाना और एक-दूसरे की मदद करना जैसी बातें शामिल होती हैं, लेकिन विवाह या जीवन भर साथ निभाने का कोई वादा नहीं होता।

क्यों बढ़ रहे हैं ऐसे रिलेशन

ऐसे रिश्ते पारंपरिक सोच रखने वाले परिवारों के लिए स्वीकार करना कठिन होते हैं। बचपन से बच्चों पर अच्छी पढ़ाई, बेहतर करियर, ऊंची आय और सामाजिक प्रतिष्ठा हासिल करने का दबाव समय के साथ बढ़ता जाता है। इस दौड़ में उन्हें रिश्तों की भावनात्मक गहराई, परिवार के महत्व और वैवाहिक जीवन की जिम्मेदारियों को समझने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल पाता। परिणामस्वरूप कई युवा ऐसे रिश्तों को सुविधाजनक विकल्प मानने लगते हैं, जिनमें जिम्मेदारी कम और स्वतंत्रता अधिक होती है।

महिलाएं रखें ध्यान

महिलाएं भावनाओं और आकर्षण के बीच का अंतर समझें। किसी भी रिश्ते में आत्मसम्मान, विश्वास, स्पष्टता और मानसिक सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण होता है। केवल अकेलेपन या आकर्षण के कारण ऐसा संबंध स्वीकार करना, जिसमें भविष्य की कोई स्पष्ट दिशा न हो, बाद में भावनात्मक पीड़ा का कारण बन सकता है। बदलते समय को समझना आवश्यक है, लेकिन ऐसे संबंधों का चुनाव करते समय महिलाओं को अपनी भावनात्मक सुरक्षा, सम्मान और भविष्य को हमेशा प्राथमिकता देनी चाहिए।

परिवार की क्या हो भूमिका

परिवारों की भी जिम्मेदारी है कि वे बेटियों, बेटों दोनों के साथ रिश्तों, भावनाओं और विवाह जैसे विषयों पर खुलकर संवाद करें। यदि युवाओं को स्वस्थ संबंधों का महत्व समझाया जाए तो वे जिम्मेदार रिश्तों की ओर अधिक आकर्षित होंगे। a

सजेशन

मनोज अग्निहोत्री

अगर आप फ्लैट में रहते हैं तो ध्यान रखें कि आपके बच्चों की एक्टिविटीज ऐसी नहीं होनी चाहिए कि सोसाइटी में रहने वाले दूसरे लोगों को कोई परेशानी हो। ऐसे में उन्हें बचपन से ही सोसाइटी में रहने के कुछ एटिकेट्स जरूर सिखाएं।

बच्चों को सिखाएं सोसाइटी एटिकेट्स

शहरों-महानगरों के फ्लैट कल्चर के इस युग में एक कैंपस या सोसाइटी में सैकड़ों परिवार रहते हैं। यहां पर कैंपस में ही सभी सुविधाएं होती हैं। ऐसे में बच्चों को सोसाइटी में रहने के एटिकेट्स सिखाना बहुत आवश्यक है, क्योंकि बच्चों की आदतें, स्वभाव और गतिविधियां कहीं-न-कहीं उनके पैरेंट्स की परवरिश के बारे में भी बताती हैं।

पड़ोसियों से सम्मानजनक व्यवहारः बच्चों को किसी के भी घर में जाकर यहां-वहां ताका-झांकी न करने को कहें। भले ही किसी पड़ोसी का दरवाजा खुला हो पर उन्हें कॉलबेल बजाकर ही घर में प्रवेश करने को कहें। किसी के भी घर में प्रवेश करने से पहले अपने से बड़ों का अभिवादन करना सिखाएं। कई बार बच्चे खेल-खेल में अपने आस-पास के फ्लैट्स की कॉलबेल बजाकर भाग जाते हैं, जिससे उस फ्लैट में रहने वालों को काफी परेशानी होती है। इसलिए बच्चों को ऐसा न करने की सख्त हिदायत दें।

एमिनिटीज को ठीक से हैंडल करेंः आजकल प्रत्येक सोसाइटी में जिम, स्विमिंग पूल और झूले जैसी अनेक एमेनिटीज होतीं हैं। आप बच्चों को इन्हें सभ्यतापूर्वक प्रयोग करने की हिदायत दें। कई बार छोटे बच्चे जिम में जाकर डंबल्स और अन्य चीजों की उठा-पटक करते हैं, जिससे उन्हें चोट तो लग ही सकती है। साथ ही जिम की चीजें भी अस्त-

व्यस्त हो जाती हैं। इसलिए उन्हें ऐसा न करने को समझाएं।

सोसाइटी को रखें साफ-सुथराः अकसर बच्चे लिफ्ट, वेटिंग एरिया आदि को स्केच पेन से गंदा कर देते हैं, अपनी साइकिलों को इधर-उधर छोड़ देते हैं, सोसाइटी के गार्डन एरिया में फूलों को तोड़ने लगते हैं या फिर कई बार बच्चे चिप्स, चॉकलेट-टॉफी आदि के पैकेट्स को कहीं भी फेंक देते हैं। सोसाइटी को भी अपने घर की तरह ही साफ-सुथरा रखने की हिदायत और सीख अपने बच्चों को दें। सामूहिक रूप से उन्हें सोसाइटी क्लीन करने के लिए प्रेरित करें। इसके लिए वीक में किसी हॉली-डे पर आप खुद भी बच्चों के साथ मिलकर सोसाइटी को क्लीन रखने के काम में उनका साथ दे सकते हैं। इससे बच्चे प्रेरित होंगे और उत्साह से इस काम को करेंगे।

सभी को दें रेस्पेक्टः कुछ बच्चे सोसाइटी के गार्ड्स, स्वीपर्स और मेड्स से मिसबिहेव करते हैं। आप उन्हें अपने से बड़े प्रत्येक इंसान से सम्मानजनक तरीके से पेश आने को कहें फिर चाहे वह सोसाइटी का वर्कर हो या निवासी।

नियमों का करें पालनः अकसर बच्चे सोसाइटी की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों के कांच तोड़ देते हैं या फिर उन पर स्क्रैच कर देते हैं। उन्हें इस प्रकार की हरकतें करने पर समझाएं, हल्की डांट भी लगाएं और आगे से न करने की सीख दें। उन्हें समझाएं कि अगर कोई हमारी गाड़ी पर ऐसा करेगा तो कितना गंदा लगेगा। इससे बच्चे जल्दी समझेंगे और भविष्य में ऐसा नहीं करेंगे। इसके साथ ही सोसाइटी के नियम उन्हें बताएं कि क्या करना है और क्या नहीं? आप उन्हें हर उस एक्टिविटी के बारे में जरूर बताएं, जिससे दूसरों को परेशानी हो सकती है। a

(चाइल्ड काउंसलर कीर्ति वर्मा से की गई बातचीत पर आधारित)

दूसरे बच्चों से अच्छा बिहेवियर

अपने बच्चों को सोसाइटी के सभी बच्चों के साथ मित्रतापूर्वक व्यवहार करने और परस्पर लड़ाई-झगड़ा न करने को कहें। साथ ही किसी बात पर मतभेद होने पर खुद ही झगड़ा करने के स्थान पर बड़ों से शिकायत करने को कहें ताकि बच्चे आपस में मारपीट से बचे रहें।

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

स्किन प्रोटेक्शन के लिए घर में बनाएं सनस्क्रीन

हालांकि बारिश के दिनों में धूप कम ही निकलती है लेकिन इसके बावजूद धूप से सुरक्षा बहुत जरूरी होती है क्योंकि सूर्य की युवी किरणें बादलों को पार करके जमीन पर आ जाती हैं और त्वचा को नुकसान पहुंचा सकती हैं। ऐसे में आप 30 एस पी एफ या इससे ज्यादा क्षमता की सनस्क्रीन जरूर लगाएं। लेकिन त्वचा की सुरक्षा के लिए सनस्क्रीन के साथ-साथ घरेलू उपचारों को भी आजमाएं।

ऐसे बना सकते हैं सनस्क्रीनः घर में उपलब्ध चीजों से सनस्क्रीन बनाने के लिए एलोवेरा जैल, नारियल तेल, शिया बटर और जिंक ऑक्साइड का उपयोग किया जा सकता है। इन सबको मिलाकर एक क्रीम बनाई जा सकती है, जो त्वचा को धूप से बचाने में मदद करती है। धूप की जलन से त्वचा की सुरक्षा में एलोवेरा महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। एलोवेरा को आप सीधे पौधे से तोड़कर भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप इसकी शाखा को खुरच कर जैल निकाल लें और इसे सीधे अपनी त्वचा पर लगा लें। कुछ देर बाद त्वचा को ताजे पानी से धो डालें। यह सनबर्न का बेहतर इलाज है।

खीरा-गुलाब जलः त्वचा के लिए गुणकारी खीरा का इस्तेमाल भी आप सनस्क्रीन लोशन बनाने के लिए कर सकती हैं। इसे बनाने के लिए सबसे पहले खीरे को कद्दूकस करें और उसका पूरा रस निकाल लें। अब इसमें गुलाब जल मिलाकर एक घोल तैयार कर लें। अब इस मिश्रण को आप सनस्क्रीन की तरह इस्तेमाल कर सकती हैं। ठंडी तासीर की वजह से खीरा आपको ठंडक देगा।

नारियल-जैतून तेलः नारियल-जैतून तेल स्किन के लिए काफी फायदेमंद हैं। इससे सनस्क्रीन बनाने के लिए आधे कप नारियल तेल में ऑलिव ऑयल की 15 बूंदें डालें। अब इसमें 7 बूंदें कैरट सीड्स ऑयल मिलाएं और इसे एक कांच की बोतल में भरकर रख दें। आप इसे लंबे समय तक यूज कर सकती हैं।

शिया बटर-बदाम ऑयलः कांच की कटोरी में दो चम्मच बादाम का तेल, एक चम्मच शिया बटर, 1 चम्मच कोको बटर, विटामिन ए, कैप्सूल, जिंक ऑक्साइड आधा चम्मच लें। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिलाकर एक एयर टाइट कंटेनर में रख लें, बाहर जाने से 15-20 मिनट पहले लगा लें।

एलोवेरा-शिया बटरः 1 चम्मच एलोवेरा जैल, 1-2 चम्मच नारियल तेल, 3-4 चम्मच शिया बटर और 3-4 चम्मच जिंक ऑक्साइड को एक कटोरी में मिलाकर क्रीम जैसा मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को एक प्लास्टिक के डब्बे में डालकर फ्रीज में रख लीजिए और यूज कीजिए। एलोवेरा जैल, स्किन को मॉयश्चराइज करने में मदद करता है और त्वचा को ठंडक प्रदान करता है। a

फिटनेस

निकिता चौहान

ऑफिस में कई-कई घंटे बैठकर रेग्युलर डेस्क वर्क करने से आपकी हेल्थ पर बुरा असर पड़ सकता है। इससे बचने के लिए आप वर्कप्लेस पर माइक्रो वॉक कर सकती हैं। यह कैसे करते हैं, इसके क्या फायदे हैं, जानिए।

ऑफिस में करें माइक्रो वॉक आप रहेंगी फिट-एनर्जेटिक

आज के समय में अधिकतर वर्किंग महिलाएं दिन में कई घंटे वर्कप्लेस पर सिटिंग जॉब करती हैं। ऑफिस में लगातार कई घंटे तक कुर्सी पर बैठे रहना वर्किंग प्रोफेशनल्स की मजबूरी बन चुकी है। इससे धीरे-धीरे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य दोनों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए अपनी फिटनेस पर आपको ध्यान देना जरूरी है।

लगातार बैठने से होने वाले नुकसानः लंबे समय तक बैठे रहने से शरीर की मांसपेशियां निष्क्रिय हो जाती हैं, जिससे कमर, गर्दन और कंधों में दर्द की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा रक्त संचार धीमा होने लगता है, जिससे पैरों में जकड़न, सूजन और थकान महसूस हो सकती है। लगातार बैठे रहने से मोटापा, टाइप-2 डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और हृदय रोगों का जोखिम भी बढ़ सकता है। मानसिक रूप से भी लंबे समय तक एक ही जगह बैठे रहने से तनाव, एकाग्रता में कमी और कार्यक्षमता पर असर पड़ सकता है।

वर्क ब्रेक लेना है जरूरीः फिट रहने के लिए केवल जिम जाना ही पर्याप्त नहीं है। पूरे दिन सक्रिय रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यदि

आप ऑफिस में हर घंटे सिर्फ 2-5 मिनट चलने की आदत बना लेती हैं, तो यह आपकी शारीरिक और मानसिक सेहत दोनों के लिए लंबे समय में लाभकारी साबित हो सकता है। छोटी-छोटी स्वस्थ आदतें ही भविष्य में बड़ी बीमारियों से बचाती हैं।

क्या है माइक्रो वॉकः इन समस्याओं से बचाव में माइक्रो वॉक काफी कारगर हो सकती है। माइक्रो वॉक का अर्थ है, दिन भर में नियमित अंतराल पर केवल 2 से 5 मिनट के लिए उठकर चलना। हर 30 से 60 मिनट में अपनी सीट से उठें, थोड़ा टहलें, पानी भरने जाएं, सीढ़ियां चढ़ें या ऑफिस के कॉरीडोर में कुछ मिनट टहलें।

माइक्रो वॉक के फायदेः इसके कई फायदे हैं। जैसे-शरीर में रक्त संचार बेहतर होता है। कमर, गर्दन और कंधों पर पड़ने वाला दबाव कम होता है। शरीर में ऊर्जा बनी रहती है और थकान कम महसूस होती है। मानसिक तनाव कम करने और मूड बेहतर रखने में मदद मिलती है। एकाग्रता और उत्पादकता बढ़ती है। लंबे समय में मोटापा, डायबिटीज और हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में सहायता मिलती है। लंबे समय तक बैठने से होने वाली मसल्स की अकड़न में राहत मिलती है।

कैसे करें माइक्रो वॉक : हर 45-60 मिनट का रिमाइंडर अपने फोन पर सेट करें। फोन पर बात करते समय बैठे रहने की बजाय चलते हुए बातचीत करें। पानी की बोतल बार-बार भरने के लिए स्वयं जाएं। यदि संभव हो, लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का उपयोग करें। प्रिंटर तक या सहकर्मी की डेस्क तक पैदल जाएं। वर्किंग ऑवर्स में छोटे-छोटे ब्रेक लेकर कुछ कदम जरूर चलें।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंदः जब हम कुछ मिनटों के लिए अपनी सीट छोड़कर चलते हैं, तो मस्तिष्क को भी एक छोटा ब्रेक मिलता है। इससे तनाव कम होता है, ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है और कार्य के प्रति उत्साह बना रहता है। कई बार केवल दो-तीन मिनट की वॉक भी मानसिक थकान को काफी हद तक कम कर सकती है। वैसे तो सिटिंग जॉब करने वाले सभी के लिए माइक्रो जॉब फायदेमंद है लेकिन आईटी प्रोफेशनल्स, बैंक, कॉल सेंटर, अकाउंट्स आदि प्रोफेशनल्स के लिए अधिक जरूरी है। a

(फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. इंद्रमणि उपाध्याय से बातचीत पर आधारित)